RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ● Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ● CCTV Controlled Environment ● Activity Based Learning ● Well Equipped Library ● GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 154 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 25 मई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से सड़कें बनीं तालाब

जलभराव से लग रहा जाम, कई इलाकों में पेड़ गिरे

नई दिल्ली(एजेंसी)। देर रात आई आंधी और तेज बारिश ने दिल्ली-एनसीआरवासियों को गर्मी और उमस से राहत तो दिलाई, लेकिन इसके चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव, पेड़ों के गिरने, उड़ानों के प्रभावित होने और बिजली आपूर्ति ठप होने जैसी समस्याओं ने मानसून से पहले की तैयारियों की पोल खोल दी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर भी मौसम का प्रभाव देखने को मिला। इंडिगो एयरलाइंस ने जानकारी दी कि खराब मौसम के चलते उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है। कई उड़ानें रद्द की गईं और कई घंटों तक देरी से चलीं।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार रात से आज सुबह तक छह घंटे के भीतर दिल्ली में 81.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि हवाएं 82 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। यह बारिश सामान्य से काफी अधिक मानी जा रही है।

बाहरी दिल्ली के बुराड़ी मैदान में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम का टेंट आंधी में गिर गया। मैदान में जलभराव के कारण बिजली के करंट का खतरा भी बढ़ गया है। आयोजकों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल जलनिकासी की मांग की है ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

रेवाड़ी, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी देर रात आंधी और बारिश हुई। कई स्थानों पर पेड़ गिरने और बिजली जाने की घटनाएं सामने आई हैं।

अंडरपास में फंसी बस और कारें

दिल्ली कैंट क्षेत्र के अंडरपास में तेज बारिश के कारण एक मिनी बस और कार जलमग्न हो गई। वहीं, धौला कुआं, नानकपुरा और एयरपोर्ट मार्ग सहित कई इलाकों में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा। रविवार को साप्ताहिक अवकाश के कारण यातायात का दबाव कम रहा, फिर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पेड़ और खंभे उखड़े वाहन क्षतिग्रस्त

रोहिणी, पटपड़गंज और लुटियंस दिल्ली में कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं। रोहिणी में कुछ वाहनों को क्षति भी पहुंची। आंधी और तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में बिजली के खंभे भी गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित रही।

ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ मिशन नहीं, बदलते भारत की तस्वीर है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। इस एपिसोड में पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना की वीरता की सराहना की और कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि बदलते भारत की तस्वीर है। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और खेल के प्रसार, उत्तराखंड के कलाकार जीवन जोशी, सिक्किम की हस्तकला, तेलंगाना की ड्रोन दीदी और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसे विभिन्न विषयों को भी छुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना ने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को जिस सटीकता और साहस से ध्वस्त किया, उसने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की सैन्य ताकत का प्रतीक बताया, जिसमें भारत में बने हथियार, तकनीक और इंजीनियरों की मेहनत भी शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है।

प्रधानमंत्री ने बस्तर ओलंपिक्स और साइंस लैब्स की चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ के माओवादी प्रभावित इलाकों की सराहना की। उन्होंने बताया कि वहां के बच्चे विज्ञान और खेलों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं, और शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है — विशेष रूप से दंतेवाड़ा जिले के परीक्षा परिणामों में।

पीएम मोदी ने गुजरात के गिर क्षेत्र में शेरों की संख्या में हुई बढ़ोतरी (674 से 891) की जानकारी दी और बताया कि गुजरात पहला राज्य है जहाँ बड़े पैमाने पर महिलाओं को वन विभाग में तैनात किया गया है। उन्होंने इसे वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। पूर्वोत्तर भारत की तारीफ करते हुए पीएम ने सिक्किम के डॉ. चेवांग नोरबू भूटिया द्वारा शुरू किए गए 'Crafted Fibers' ब्रांड की चर्चा की। यह ब्रांड पारंपरिक बुनाई को आधुनिक फैशन से जोड़ता है, और सिक्किम की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है।

उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी 65 वर्षीय जीवन जोशी की कहानी भी इस एपिसोड का हिस्सा रही। पोलियो से ग्रसित होने के बावजूद जीवन जोशी ने चीड़ के पेड़ों की गिरती सूखी छाल से अद्भुत कलाकृतियाँ बनाकर बगेट आर्ट नामक एक अनूठी कला को जन्म दिया। पीएम ने उन्हें जीवंत प्रेरणा बताया।

अयोध्या पहुंचे अनुष्का के साथ विराट कोहली, हनुमानगढ़ी और रामलला के किए दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। आज भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन किए। इस दौरान हनुमानगढ़ी मंदिर पर अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को देखने के लिए भारी भीड़ उमड पड़ी। इसके चलते प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास ने हनुमानगढ़ी पर फिल्म अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दर्शन पूजन कराया। इस दौरान हनुमान जी की प्रतिमा और अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत भी किया। विराट और अनुष्का ने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि के बारे में हनुमानगढ़ी के सागरिया पट्टी के श्रीमहंत ज्ञान दास के उत्तराधिकारी महंत और संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास से बंद कमरे में मुलाकात की।

हनुमानगढ़ी की सागरिया पट्टी के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने कहा कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। दर्शन पूजन के बाद वह हनुमानगढ़ी की महिमा और अयोध्या की प्राचीनता के बारे में बातें कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी की प्राचीनता और पौराणिकता की भी जानकारी ली है।

गंगा में अस्थि विसर्जन करते समय बड़ा हादसा, पिता-पुत्र समेत तीन डूबे

डलमऊ (रायबरेली)। गंगा घाट पर अस्थि विसर्जन करने आए पिता पुत्र समेत तीन लोगों की गंगा में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक अमेठी जनपद के पालपुर जगदीशपुर निवासी चंद्रमा कौशल, चंद्र कुमार कौशल, चंद्र प्रकाश कौशल, विधि चंद्र कौशल, बाल चंद्र कौशल, धरम चंद्र कौशल, आयुष कौशल, अनिल कौशल व आर्यन कौशल रविवार की सुबह डलमऊ के रानी शिवाला घाट पर परिवारजन का अस्थि विसर्जन करने आए थे।

सभी गंगा में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से सभी डूबने लगे। यह देख अफरा तफरी मच गई। आस पास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। आनन फानन वहां मौजूद नाविकों ने सभी को बाहर निकाला।

सभी को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने बालचंद्र व उनके पुत्र आर्यन व परिवार के ही चंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं विधि चंद्र का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सक के मुताबिक उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रभारी निरीक्षक श्याम कुमार का कहना है कि तीन व्यक्तियों की डूबने से मौत हो गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी के वाहन पार्किंग में लगी भीषण आग

नोएडा (चेतना मंच)। आज सेक्टर-6 में स्थित एक निजी कंपनी के वाहन पार्किंग क्षेत्र में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि पार्किंग में खड़े कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

दमकलकर्मी एसएस कुशवाहा ने बताया, हमें रात 1 बजे सूचना मिली और दो दमकल गाड़ियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। आग बहुत तेजी से फैल रही थी, जो शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। सिर्फ दुकानों के बाहर रखे सामान में आग लगी थी, दुकान के अंदर कोई नुकसान नहीं हुआ है। लगभग 10 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

एक स्थानीय दुकानदार के अनुसार, जैसे ही आग लगने की सूचना मिली, सभी दुकानदार मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल कर्मियों ने तत्परता से आग बुझा दी।

पत्रकारों के हित की रक्षा के लिए बनाना चाहिए पत्रकार आयोग : ओम प्रकाश

पत्रकार होते हैं समाज का आईना : डॉ महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में शनिवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नोएडा मीडिया क्लब की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह और दादरी के विधायक तेजपाल नागर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर शहर के सैकड़ों पत्रकार भी मौजूद रहे।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उन्हें उम्मीद है कि नई कार्यकारिणी निष्पक्षता और निष्ठा के साथ समाज और राष्ट्रहित में कार्य करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नोएडा मीडिया क्लब पत्रकारों के विकास और उत्थान के लिए एक प्रभावी मंच बन सकता है।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने क्लब को बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश की नजर नोएडा की मीडिया पर होती है। ऐसे में पत्रकारों को न सिर्फ अपने हितों की रक्षा करनी है, बल्कि देश और समाज की सेवा में भी अपना योगदान देना है।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने पत्रकारों से निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करने का आह्वान किया और कहा कि पत्रकारों की भूमिका लोकतंत्र को सशक्त बनाने में बेहद महत्वपूर्ण है।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पत्रकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्रकार अपनी कलम से नेता बना सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस प्रकार समाज के हर वर्ग के लिए आयोग बने हैं, उसी प्रकार पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए भी पत्रकार आयोग का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यकारिणी को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

इस मौके पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि क्लब पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से पत्रकारों की समस्याओं और सुरक्षा के मुद्दे पर मिलकर काम करने की अपील की।

समारोह में महासचिव जय प्रकाश सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स समेत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के वरिष्ठ पत्रकारों और मीडियाकर्मियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर जी की पुण्यतिथि पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-82 स्थित प्राचीन छलेरा शिव मंदिर में पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की पुण्य स्मृति में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने की। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह और विशिष्ट अतिथि सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल एवं पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष विमला बाथम रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव की पूजा व आरती से हुई, तत्पश्चात अहिल्याबाई होलकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके जीवन को त्याग, सेवा व संस्कृति पुनरुत्थान का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के उपरांत एक भव्य तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पहलगाम के गुनहगार

पहलगाम नरसंहार को एक माह बीत चुका है। उन मासूम, बेगुनाह लोगों के हत्यारे और बहन-बेटियों का सिंदूर उजाडऩे वाले पापी कहां हैं, यह सहज सवाल हमारे भीतर भी खदबदा रहा है। हम देश की सेना और सुरक्षा बलों के साहस, पराक्रम और जांच पर रत्ती भर भी सवाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने 3000 संदिग्धों या आतंकियों के 'जयचंदों' से पूछताछ कर सुराग टटोलने की कोशिशें की हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। बीते 10-12 दिनों में कुछ आतंकियों और घुसपैठियों को ढेर भी किया गया है। यह आलेख लिखने तक जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना और सुरक्षा बलों ने कुछ आतंकियों की घेराबंदी की थी और मुठभेड़ जारी थी। खुफिया लीड थी कि जैश-ए-मुहम्मद के 3-4 आतंकी उस इलाके के जंगलों में छिपे हैं। दरअसल पहलगाम नरसंहार आज भी एक जिंदा और प्रासंगिक मुद्दा है। उसी के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर में लोगों को संबोधित करते हुए जो रौद्र रूप दिखाया है, वह अभूतपूर्व है और उसमें पहलगाम में सिंदूर मिटाने, उजाडऩे की चिंता और आक्रोश भी निहित है। प्रधानमंत्री इसे गुस्सा या आक्रोश ही नहीं मानते, बल्कि समर्थ भारत का रौद्र रूप और न्याय का नया स्वरूप मानते हैं और यही 'ऑपरेशन सिंदूर' है। प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा कि उनकी रगों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है।ज्जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है।ज्जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसके क्या नतीजे होते हैं, यह दुश्मन ने देख लिया है।' प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द अभिधात्मक नहीं हैं, बल्कि सिंदूर के प्रतीक के तौर पर लाक्षणिक हैं। प्रधानमंत्री अब भी पहलगाम और सिंदूर की त्रासदियों से जुड़े हैं। यह राजनीति नहीं है। कोई भी चुनाव सामने नहीं है। बिहार और राजस्थान के बीच व्यापक दूरियां हैं। बीकानेर के एयरबेस से कुछ ही दूरी पर, सीमापार, पाकिस्तान का रहीम यार एयरबेस है, जो ध्वस्त होने के बाद आईसीयू में पड़ा है। न जाने अब वह कब खुलेगा। प्रधानमंत्री ने देश को बताया है कि सिंदूर उजाडऩे का बदला लिया जा चुका है, प्रण पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि अब कोई आतंकी हमला भारत पर किया जाएगा, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। हम आतंक और उसके सरपरस्तों को अलग-अलग नहीं समझेंगे, लिहाजा करारा जवाब पाकिस्तान, उसकी फौज और अर्थव्यवस्था को भी झेलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को यहां तक चेतावनी दी है कि उसे पाई-पाई को मोहताज कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस प्रधानमंत्री के संबोधन और सरोकारों को 'फिल्मी डॉयलॉग' करार दे रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री खोखले भाषण देना बंद करें। कैमरे के सामने ही आपका लहू गर्म क्यों होने लगता है? कांग्रेस लगातार सवाल दाग रही है कि जब हालिया संघर्ष में भारत ने पाकिस्तान का बहुत कुछ तबाह कर दिया था, तो अचानक युद्धविराम क्यों किया गया? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में युद्धविराम क्यों किया गया? आखिर हम पीओके तक पहुंच कर उसे वापस लेने में नाकाम क्यों रहे? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब विदेश मंत्रालय और हमारे डीजीएमओ दे चुके हैं। दरअसल आज के संदर्भ में 1971 का भारत-पाक युद्ध और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी प्रासंगिक हैं। 1972 में 'शिमला समझौते' के बाद तत्कालीन सैन्य फील्ड मार्शल जनरल सैम मॉनकशॉ ने इंदिरा गांधी के सामने जो टिप्पणी की थी, हम उसे लिख नहीं सकते। अलबत्ता कांग्रेस बखूबी जानती है कि तब युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 से अधिक फौजियों के आत्मसमर्पण के बावजूद भारत पीओके को अपने कब्जे में क्यों नहीं ले सका था? युद्धविराम का सवाल तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से किया गया था। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप की विश्वसनीयता पर खुद अमरीका की रपट है कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति ने 30,573 झूठे या भ्रामक दावे किए थे। इस बार भी वह 8-10 बार बयानों को बदल चुके हैं। कांग्रेस को किसका भरोसा होगा कि युद्धविराम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। बहरहाल पहलगाम आज भी एक राष्ट्रीय मुद्दा है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने आतंकवाद का फन कुचलने की दमदार नीति और रीति दिखाई है। एकजुट होकर चलने की जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ब्राह्मण कुल से जोर जबर्दस्ती नहीं चल सकती, मैं दोनों भुजा उठाकर सत्य कहता हूँ। हे राजन! सुनो, ब्राह्मणों के शाप बिना तुम्हारा नाश किसी काल में नहीं होगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

हरषेउ राउ बचन सुनि तासू। नाथ न होइ मोर अब नासू॥
तव प्रसाद प्रभु कृपानिधाना। मो कहुँ सर्बकाल कल्याना॥

राजा उसके वचन सुनकर बड़ा प्रसन्न हुआ और कहने लगा- हे स्वामी! मेरा नाश अब नहीं होगा। हे कृपानिधान प्रभु! आपकी कृपा से मेरा सब समय कल्याण होगा॥

दो0-एवमस्तु कहि कपट मुनि बोला कुटिल बहोरि।
मिलब हमार भुलाब निज कहहु त हमहि न खोरि॥

एवमस्तु (ऐसा ही हो) कहकर वह कुटिल कपटी मुनि फिर बोला- (किन्तु) तुम मेरे मिलने तथा अपने राह भूल जाने की बात किसी से (कहना नहीं, यदि) कह दोगे, तो हमारा दोष नहीं॥

तातें मैं तोहि बरजउँ राजा। कहें कथा तव परम अकाजा॥
छठें श्रवन यह परत कहानी। नास तुम्हार सत्य मम बानी॥

हे राजन! मैं तुमको इसलिए मना करता हूँ कि इस प्रसंग को कहने से तुम्हारी बड़ी हानि होगी। छठे कान में यह बात पड़ते ही तुम्हारा नाश हो जाएगा, मेरा यह वचन सत्य जानना॥

(क्रमशः...)

भारतीय राष्ट्रवाद को नई आँखों से देखिए!

देश में इन दिनों राष्ट्रवाद चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीय राष्ट्रवाद पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर भारतीय भावबोध का राष्ट्रवाद क्या है? 'राष्ट्र' सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि 'भूगोल-संस्कृति-लोग' के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह 'लोग' ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी, भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहकर संबोधित किया। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतीय राष्ट्रवाद को समझना है। यह राष्ट्रवाद मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानववादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित है। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव कराता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रवाद दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित था। वह राष्ट्रवाद इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। राजा सिर्फ राज्य बनाते हैं, ऋषि अपने सांस्कृतिक अवदान से राष्ट्र बनाते हैं।

आप देखें तो बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है।

को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार, नवचेतन था जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढकर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है, सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही इस राष्ट्रवाद लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला यह विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रवाद सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति का विचार से अनुप्राणित है।

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- 'संतों को सीकरी से क्या काम' और फिर कहता है 'कोई नृप होय हमें क्या हानि'। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था-मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड-खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रवाद में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने-जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी- इसलिए वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज-बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं, विचार, वाद और पंथ इस देश की हवा-मिट्टी में आए और अपना पुर्नअविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्रवाद का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रामण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोकतत्वों को आदर देना ही यहां राष्ट्रवाद है। इसलिए यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति यहां जगह पाती है।

यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्यागकर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है, संपत्ति, जमीन और वैभव को नहीं। इसलिए फकीरी यहां आदर पाती है और सत्ताएं लांछन पाती हैं। इसलिए यहां लोकसत्ता का भी मानवतावादी होना जरूरी है। यहां सत्ता विचारों से, कार्यों से और आचरण से लोकमानस का विचार करती है तो ही सम्मानित होती है। वैसे भी भारतीय समाज एक सत्ता निरपेक्ष समाज है। वह सत्ताओं की परवाह न करने वाला स्वाभिमानी समाज है। इसलिए उसने जीवन की एक अलग शैली विकसित की है, जो उसके राष्ट्रवाद ने उसे दी है। यही स्वाभिमान एक नागरिक का भी है और राष्ट्र का भी। इसलिए वह अपने अध्यात्म के पास जाता है, अपने लोक के पास जाता है और सत्ता या राज्य के चमकीले स्वप्न उसे रास नहीं आते। इसी राष्ट्र तत्व को खोजते हुए राजपुत्र सत्ता को छोड़कर वनों, जंगलों में जाते रहे हैं, ज्ञान की खोज में,सत्य की खोज में, लोक के साथ सातत्य और संवाद के लिए। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, बुद्ध हों, महावीर हों- सब राजपुत्र हैं, संप्रभु हैं और सब राज के साथ समाज को भी साधते हैं और अपनी सार्थकता साबित करते हैं। इसलिए भारतीय जमीन का राष्ट्रवाद एक अलग कथा है, उसे पश्चिमी पैमानों से नापना गलत होगा। आज इस वक्त जब भारतीय राष्ट्रवाद की अनाप-शनाप व्याख्या हो रही है, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या सच में हममें अपने राष्ट्र की थोड़ी भी समझ बची है?

- प्रो. संजय द्विवेदी
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राष्ट्र बड़ा या धर्म? सांसद मियां अल्ताफ अहमद ने देश सेवा पर उर्स की तैयारियों को तवज्जो क्यों दी?

भारत ने दुनिया के 33 देशों में अपने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजा है ताकि पाकिस्तानी आतंक की वीभत्सता से सभी को परिचित कराया जा सके। इस समय सर्वदलीय

प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में वहां की सरकारों और प्रमुख लोगों को पाकिस्तानी आतंकवाद और भारत के आत्मरक्षा के अधिकार के बारे में जानकारी दे रहे हैं और उन देशों का समर्थन हासिल कर रहे हैं। देखा जाये तो इस समय सभी राजनीतिक दलों के बीच जो एकता नजर आ रही है उसी के चलते हम दुनिया के सामने मजबूती से अपना पक्ष रख पा रहे हैं। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सांसद देश की सेवा के लिए यह अवसर प्रदान करने के लिए मोदी सरकार का शुक्रिया अदा कर रहे हैं।

लेकिन आप यह जानकर चौंक जाएंगे कि एक सांसद महोदय ऐसे भी हैं जिन्होंने अंतिम समय में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से इंकार कर दिया था। उनके इंकार की बात तब सामने आई जब वह विदेश मंत्रालय की ओर से प्रतिनिधिमंडल को दी जाने वाली ब्रीफिंग में नहीं पहुँचे थे। उनका यह कहना था कि मेरा पहले से एक कार्यक्रम तय है इसलिए मैं सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं बन पाउंगा। यहां सवाल उठता है कि देश हित से बड़ा और राष्ट्र की सुरक्षा से बड़ा और क्या काम या कार्यक्रम हो सकता है जिसमें उन सांसद महोदय का भाग लेना जरूरी हो गया था?

हम आपको बता दें कि जिन सांसद महोदय ने प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने से इंकार किया वह हैं जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अनंतनाग-राजौरी से सांसद मियां अल्ताफ अहमद। उन्होंने सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से खुद को अलग कर लिया है, जो वर्तमान में पांच देशों के दौरे पर है। सांसद अल्ताफ अहमद को डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंड में शामिल होना था। वर्तमान में यह प्रतिनिधिमंडल रूस में है और वहां से यह स्लोवेनिया, ग्रीस, लातविया और स्पेन जायेगा।

हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ एनसी नेता और प्रभावशाली धार्मिक व्यक्तित्व मियां अल्ताफ ने इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं होने का कारण पूर्व निर्धारित प्रतिबद्धताओं को बताया है। उन्होंने कहा है कि हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में गांदरबल जिले के कंगन स्थित वांगथ में मनाए जाने वाले उर्स के मद्देनज़र मैं प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं हो पाऊंगा। हम आपको बता दें कि मियां अल्ताफ अहमद बाबा जी साहिब लारवी वांगथ की दरगाह के सज्जादा नशीन (धार्मिक संरक्षक) भी हैं, जहां हर साल उर्स के दौरान हज़ारों श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा है कि हां, मेरी पार्टी ने मेरा नाम प्रतिनिधिमंडल के लिए भेजा था, लेकिन आगामी उर्स से जुड़ी कुछ जिम्मेदारियों के कारण मैं इस दौरे में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। उन्होंने कहा है कि विदेश मंत्रालय और उनकी पार्टी को इस बारे में सूचित कर दिया गया है और उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

आप यह जानकर चौंक जाएंगे कि एक सांसद महोदय ऐसे भी हैं जिन्होंने अंतिम समय में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से इंकार कर दिया था। उनके इंकार की बात तब सामने आई जब वह विदेश मंत्रालय की ओर से प्रतिनिधिमंडल को दी जाने वाली ब्रीफिंग में नहीं पहुँचे थे।

बहरहाल, यहां सवाल उठता है कि मियां अल्ताफ अहमद ने राष्ट्र हित से ज्यादा उर्स को महत्व क्यों दिया? उर्स तो हर वर्ष लगता है लेकिन देश ने सेवा के लिए अल्ताफ अहमद को इस समय पुकारा था। सवाल उठता है कि क्या राष्ट्र से ज्यादा धर्म को तवज्जो देने वाले लोगों को राजनीति में होना चाहिए? सवाल उठता है कि क्या राष्ट्र सुरक्षा से ज्यादा धार्मिक मेले की तैयारियों को तवज्जो देने वाले व्यक्ति को जनप्रतिनिधि के रूप में चुना जाना चाहिए? सवाल यह भी उठता है कि जिस कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ क्या वहां के सांसद को विदेशों में जाकर इस निर्मम हत्याकांड के मुद्दे पर पाकिस्तान को आड़े हाथ नहीं लेना चाहिए था?

- नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

ज्येष्ठ माह कृष्ण पक्ष त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

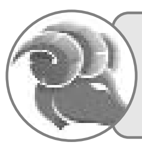

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
रोजाना मेडिटेशन करना आपके लिए अच्छा रहेगा। कुछ लोगों के वेतन या पॉकेट मनी में बढ़ोतरी मिलने के संकेत हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आज आपको पढ़ाई या जरूरी प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देने की सलह दी जाती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आज निवेश का कोई लाभदायक अवसर आपके सामने आ सकता है। सोच समझकर और सलह के साथ ही आगे बढ़ें।

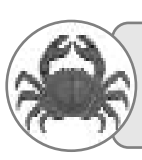

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आज आपका साथी कोई पुराना मुद्दा उठा सकता है, जिससे जीवन में परेशानी बढ़ सकती है।

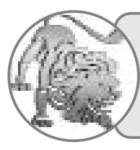

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आज किसी शुभ समाचार से परिवार में खुशियां आएंगी। कुछ लोगों के लिए ट्रिप पर जाने के योग हैं।

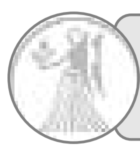

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आज कुछ लोगों को अपनी मेहनत के लिए तारीफ मिल सकती है। अपने रिश्ते को मजबूत करने के लिए आज ही कदम उठाएं।

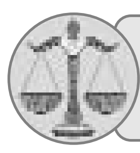

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आज पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। ऑफिस के दौरान सभी जरूरी रूल्स का पालन करें।

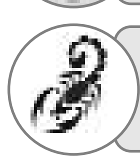

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आज टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए बेहतरीन अवसर नजर आ रहे हैं।

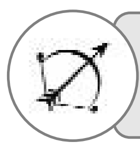

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
किसी शादी या महत्वपूर्ण इवेंट में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा का योग बन रहा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
पैसों की प्रॉब्लम होने पर कोई दोस्त आपकी आर्थिक सहायता कर सकता है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आज जिसे आप पसंद करते हैं, उससे बात करने की आपकी कोशिश पूरी हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
मौज-मस्ती भरी छुट्टियों पर कुछ जातकों का पैसा खर्च हो सकता है। डॉक्टर, वकील व बिजनेस करने वालों आज अच्छा प्रॉफिट हो सकता है।

ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर खर्च होंगे 21 करोड़ रुपये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर में सड़क और जल निकासी की समस्याओं को दूर करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। औद्योगिक और ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना को बेहतर बनाने के लिए करीब 21 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं और अगले एक महीने में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

सेक्टर ईकोटेक-11 में 45 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही जल निकासी की व्यवस्था के लिए दोनों ओर नालियों का निर्माण होगा, जिन्हें मुख्य ड्रेन से जोड़ा जाएगा। यह परियोजना करीब 2 किलोमीटर लंबी होगी और इस पर 4.82 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस कार्य से औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले उद्यमियों और श्रमिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

पाली गांव को दादरी रेलवे मार्ग से जोड़ने वाली क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत भी की जाएगी। लगभग 2 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर 79 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यह सड़क कई गांवों को जोड़ती है और प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही इसी मार्ग से होती है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तुस्याना गांव में भी सड़क की मरम्मत की जाएगी। यह क्षेत्र छह प्रतिशत किसान आबादी के भूखंडों में आता है। सड़क के सुधार कार्य पर 2.72 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

यातायात के अत्यधिक दबाव वाले कासना से भाटी गोलचक्कर तक की 80 मीटर चौड़ी सड़क का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस परियोजना पर 4.74 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के जलपुरा गांव में स्थित गोशाला की चारदीवारी और उससे जुड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस पर 2.68 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना ए.के. सिंह ने बताया कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में ढांचागत कार्य कराए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया स्टॉल का अवलोकन

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने अहिल्याबाई होलकर के कार्यों के बारे में लगी स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर न केवल महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं, बल्कि धार्मिक उन्नति में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़कों का निर्माण कराया और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यों से हमें प्रेरणा मिलती है और हमें उनके आदर्शों को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर संयोजक सुनील मिश्रा गोवर्धन राय मनीष पांडेय दीपक सिंह लालमणि मिश्रा चंद्रशेखर सिंह छत्रपति सिंह राज यादव दिलीप गुप्ता संजय प्रताप सिंह अखिलेश तिवारी सतीश पांडे जटाशंकर शुक्ला वीरू शुक्ला बजेश दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

नोएडा पुलिस कमिश्नर का बड़ा एक्शन

एसीपी को किया सस्पेंड, डीसीपी को नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस उपायुक्त यातायात एवं सहायक पुलिस आयुक्त यातायात को यातायात संबंधी समस्याओं एवं जाम से निपटने के लिये कार्ययोजना एवं डायवर्जन प्लान बनाने, अधीनस्थों की ड्यूटियां लिखित में लगाने के निर्देश दिये थे, लेकिन इनके द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन न करने के कारण जिले में यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है।

यह जाम व अतिक्रमण जैसी स्थिति के बार-बार उत्पन्न हो रही है। जिले की यातायात व्यवस्था को लेकर शनिवार को समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था में काफी कमिया पाई गईं। पुलिस आयुक्त ने डीसीपी यातायात लखन सिंह को स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिये नोटिस दिया गया। जबकि एसीपी पवन कुमार को निलंबित कर दिया।

यातायात व्यवस्था में लापरवाही करने में 01 टीआई, 02 टीएसआई के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुख्य आरक्षी व चार आरक्षी यातायात को अर्दलीरूम में दण्डित किये जाने की कार्रवाई की गई है।

नोएडा में मिली कोरोना की मरीज

नोएडा(चेतना मंच)। नोएडा में कोरोना का एक मरीज सामने आया है। नोएडा के स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-110 निवासी 55 वर्षीय महिला में शनिवार को कोरोना संक्रमण की पुष्टि की। महिला का इलाज होम आइसोलेशन में ही चल रहा है। मरीज के संपर्क में आए दो लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं मिले। महिला 14 मई को उज्जैन के महाकालेश्वर गई थी।

कोरोना संक्रमण के लक्षण दिखने पर महिला सेक्टर-128 स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए गई। वहां महिला की कोरोना जांच की गई। निजी अस्पताल ने कोरोना संक्रमण की पुष्टि की। इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को मिलने पर मरीज की क्रॉस जांच कराई गई। रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि मरीज के घर में दो और व्यक्ति रहते हैं। इनमें कोरोना संक्रमण के लक्षण नहीं हैं। लिहाजा अभी जांच के लिए इनके नमूने नहीं लिए गए। महिला का इलाज होम आइसोलेशन में शुरू कर

दिया गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि मरीजों की संख्या बढ़ने की स्थिति में जीनोम सिक्वेंसिंग कराएंगे ताकि कोरोना वायरस के वेरिएंट के बारे में जानकारी हो सके। जरूरत पड़ने पर संदिग्ध और पुष्ट मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाया जाएगा। सभी निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमण की जांच चल रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने आगे कहा कि इंफ्लूएंजा के जैसे लक्षण वाले मरीजों की कोरोना जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा जिला अस्पताल में एक-दो दिनों में कोरोना संक्रमण की जांच शुरू कर दी जाएगी। इससे पहले पिछले साल मई में एक मरीज में बीमारी की पुष्टि की गई थी।

कोरोना के मरीजों की स्थिति गंभीर नहीं है, इसलिए घबराईये नहीं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। विभाग ने भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने की स्थिति में मास्क लगाने, हाथ की स्वच्छता, सामाजिक दूरी अपनाने की अपील की है। शनिवार देर शाम तक कोरोना संक्रमण को लेकर शासन से दिशा-निर्देश नहीं मिले थे।

जिला अस्पताल में भी कोरोना संक्रमण की जांच शुरू नहीं की गई है। अस्पताल प्रबंधन जांच शुरू करने के लिए शासन के निर्देश का इंतजार कर रहा है ताकि किट सहित अन्य संसाधन मंगाए जा सकें। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने शासन से जांच किट की मांग की है। इसके लिए शासन को पत्र लिखा गया है।

यमुना प्राधिकरण ने भूलेख डाटा किया डिजिटल

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने जमीन से जुड़े दस्तावेजों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। प्राधिकरण ने भूलेख विभाग का संपूर्ण डाटा डिजिटलीकरण कर दिया है। इससे किसानों और आवंटियों को अब भूमि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ वेबसाइट और मोबाइल एप पर आसानी से उपलब्ध होंगी।

प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि डिजिटलीकृत डाटा को जल्द ही जिला प्रशासन के पोर्टल से भी जोड़ा जाएगा। इससे दस्तावेजों की जांच और सत्यापन की प्रक्रिया पारदर्शी और तेज़ हो जाएगी।

भूलेख से जुड़े दस्तावेजों के लिए लोगों को अब प्राधिकरण या प्रशासन के दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए भूखंड का विवरण, मालिकाना हक, रजिस्ट्री की स्थिति, म्यूटेशन, भूमि उपयोग, नक्शा आदि जानकारी घर बैठे प्राप्त की जा सकेगी।

डिजिटलीकरण से भूलेख से संबंधित दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा, हेरफेर और दोहरी रजिस्ट्री की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी। प्राधिकरण को जमीन से संबंधित रिकार्ड में हेराफेरी और फाइलों के गुम होने की शिकायतें मिलती रही हैं, जिन पर अब प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा।

अब अधिकारी भी अपने कंप्यूटर पर किसी भी आवंटी या किसान की भूमि की स्थिति देख सकेंगे, जिससे कामकाज की गति और दक्षता में सुधार होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

इस पहल से म्यूटेशन, विरासत, लीज नवीनीकरण, ट्रांसफर जैसे कार्य भी ऑनलाइन किए जा सकेंगे। डिजिटल प्रक्रिया से दस्तावेजों की सत्यता तुरंत जांची जा सकेगी।

प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि भविष्य में यह सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे स्मार्टफोन उपयोगकर्ता कहीं से भी भूलेख से संबंधित जानकारी देख सकेंगे।

यमुना प्राधिकरण जल्द ही भूलेख, बिल्डिंग प्लान स्वीकृति, पूर्णता प्रमाण पत्र सहित सभी अनुमतियों की प्रक्रिया एक ही पोर्टल पर लाने की योजना बना रहा है। इससे रियल एस्टेट कंपनियों और खरीदारों को भी ज़मीन की स्थिति की स्पष्ट जानकारी मिलेगी और परियोजनाओं में पारदर्शिता बनी रहेगी।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी को टक्कर मारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। परी चौक पर टैक्सी चालक ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी और भाग गया। सेक्टर बीटा-2 थाने में ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने इस मामले की शिकायत की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हेड कांस्टेबल अभिनव और कांस्टेबल रजत शनिवार को परी चौक पर ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान यहां एक सुलभ शौचालय के पास टैक्सी चालक सवारी उतार रहा था। ट्रैफिक पुलिसकर्मी रजत ने चालक को वाहन हटाने के लिए कहा तो वह अभद्रता करने लगा। हेड कांस्टेबल अभिनव और ट्रैफिक सबइंस्पेक्टर देवेंद्र मौके पर पहुंचे और टैक्सी का चालान करने लगे। इसी बीच चालक टैक्सी लेकर भाग निकला।

आरोप है कि आरोपी चालक ने हेड कांस्टेबल अभिनव को टक्कर मार दी। आरोपी ने जबरन कार चढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद वह टैक्सी लेकर मौके से भाग गया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी चालक का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित कछुओं की तस्करी करने वाले गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली की पुलिस ने प्रतिबंधित कछुओं की तस्करी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 33 कछुए बरामद किए। एक एनजीओ की मदद से पुलिस ने कार्रवाई की। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों की पहचान हापुड़ के रती गांव के रहने वाले रिंकू और सोनू के रूप में हुई। दोनों आरोपी यमुना से कछुए पकड़कर दिल्ली में बेचने का काम करते थे। एक कछुए की कीमत दो हजार रुपये बताई गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी रिंकू का साथी भीम दिल्ली में वन्य जीव तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुआ था।

पीपल्स फॉर एनिमल्स एनजीओ के गौरव ने बताया कि उन्हें काफी समय से सूचना मिल रही थी कि ग्रेटर नोएडा और आसपास के इलाकों में कछुओं की तस्करी की जा रही है। इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी थी। पुलिस के साथ मिलकर तस्करों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। गौरव ने दिल्ली की जामा मस्जिद के पास रहने वाले हाजी नावेद से संपर्क कर 100 कछुओं की डील तय की। नावेद ने कछुओं की तस्करी करने वाले आरोपी रिंकू का नंबर दिया। इसके बाद गौरव ने खुद ग्राहक बनकर रिंकू से संपर्क किया। शनिवार को रिंकू अपने साथी सोनू के साथ नट मडैया के पास कछुओं की डिलीवरी देने के लिए पहुंचा था। जैसे ही उन्होंने कछुए दिए पुलिस टीम ने दोनों को दबोच लिया। बरामद किए गए कछुए सुरक्षित वन विभाग के हवाले किए गए।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :–

निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम - **निविदा सूचना संख्या :** LS-GD-2025-Ovh-Aux-Motor "गोंडा और गोरखपुर शेड के पारंपरिक और 3 फेज इलेक्ट्रिक लोको के सहायक मोटर्स की 2 वर्षों के लिए ओवरहालिंग", **अनुमानित लागत :** ₹ 1,03,52,960.28, **निविदा की अवधि :** 24 माह, **अग्रिम धन राशि :** ₹ 2,01,800.00. **निविदा सूचना संख्या :** LS-GD-25-Repair-CabAC-R3 "2 वर्षों के लिए गोंडा और गोरखपुर शेड के इलेक्ट्रिक लोको के छोटे और बड़े शेड्यूल के दौरान छत पर लगे कैब एसी की मरम्मत और रखरखाव", **अनुमानित लागत :** ₹ 56,63,966.63, **निविदा की अवधि :** 24 माह, **अग्रिम धन राशि :** ₹ 1,13,300.00. **निविदा सूचना संख्या :** LS-GD-25-AMC-Simulator-R4 "एक वर्ष के लिए DTTC/गोंडा में कोरीस मेक डीजल लोको सिम्युलेटर का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध" **अनुमानित लागत :** ₹ 88,32,300.00, **निविदा की अवधि :** 12 माह, **अग्रिम धन राशि :** ₹ 1,76,700.00.

• ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय **16.06.2025, 12:00 बजे**। • इस ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हताएं तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। • निविदाकार, ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा से संबंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें। **समंविइं/टीआरएस**

मुजाधि/यांत्रिक-27 पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

स्टार लिंक का भारतीय बाजार में जल्द होगा प्रवेश

मुंबई। भारत के डिजिटल भविष्य को नई ऊंचाई पर ले जाने एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश करने जा रही है। शुरुआती प्रमोशनल ऑफर में यह सेवा सिर्फ 840 रुपए प्रति माह में अनलिमिटेड डेटा के साथ मिल सकती है। हालांकि भारत में सैटकॉम स्पेक्ट्रम की लागत पारंपरिक टेलिकॉम सेवाओं की तुलना में अधिक है– जैसे कि शहरी ग्राहकों पर 500 अतिरिक्त शुल्क फिर भी स्टारलिंक जैसी कंपनी इस चुनौती से आसानी से निपट सकती है। स्टार?लिंक के पास फिलहाल करीब 7,000 उपग्रह हैं और उसके 40 लाख वैश्विक यूजर्स हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक अगर स्टारलिंक अपनी सैटेलाइट संख्या 18,000 तक भी बढ़ा ले, तो भारत में यह केवल 15 लाख यूजर्स को ही कवर कर पाएगा। यानी सेवा की मांग बढ़ने पर क्षमता एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ 28 को खुलेगा

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मई को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 130–140 रुपये प्रति शेयर तय किया। आईपीओ 30 मई को बंद होगा। गुजरात की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंकर (बड़े) निवेशक 27 मई को बोली लगा सकेंगे। स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ पूर्णतः इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम है, जिसकी कुल राशि 220 करोड़ रुपये है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग ट्यूब और पाइप के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्य लगभग 840 करोड़ रुपये है। निर्गम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

रिजर्व बैंक ने यूबीआई और ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियामकीय मानदंडों के गैर-अनुपालन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) और ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों और कृषि कर्ज प्रवाह -सामर्थिक मुक्त कृषि ऋण पर कुछ निर्देशों के गैर-अनुपालन के लिए 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक अन्य बयान में कहा कि उसने ट्रांजेक्ट्री टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पर गैर-अनुपालन के लिए 40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में आरबीआई ने कहा कि दंड नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसमें ग्राहकों के साथ इनके किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल नहीं उठाया गया है।

क्रेडिट कार्ड से खर्च 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल माह में क्रेडिट कार्ड से खर्च पिछले साल की समयावधि के मुकाबले 18 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जारी किए गए अधिक कार्डों में वृद्धि सीमा के भीतर रहेगी, क्योंकि कर्जदाताओं को गुणवत्तापूर्वक लोन देने पर ध्यान दिया जा रहा है। क्रेडिट कार्डों से सबसे अधिक खर्च करने वाले एचडीएफसी बैंक के खाताधारकों ने सालाना आधार पर 26.47 फीसदी वृद्धि देखी, वहीं एसबीआई कार्ड से खर्च 19.6 प्रतिशत बढ़कर29,415 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्डों से खर्च 19.30 प्रतिशत बढ़कर 35,079 करोड़ रुपये और ऐक्सिस बैंक से खर्च 14.68 प्रतिशत बढ़कर 21,201 करोड़ रुपये हो गया है। वित्तीय वर्ष 2026 में कार्ड से व्यय में स्थिरता की उम्मीद है।

एलआईसी ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

- 24 घंटे की अवधि के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एजेंट उत्पादकता के लिए एक नया वैश्विक बेंचमार्क है
- 20 जनवरी, 2025 को एलआईसी के कुल 4,52,839 एजेंटों ने पूरे भारत में 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां सफलतापूर्वक पूरी कीं और जारी कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 24 घंटे में सबसे ज्यादा जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड (जीडब्ल्यूआर) का खिताब हासिल किया है। बीमा कंपनी के एजेंटों ने 20 जनवरी, 2025 को भारत में रिकॉर्ड 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां बेचीं हैं। जीवन बीमा कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का खिताब जीता है। एलआईसी के एजेंटों ने 20 जनवरी, 2025 को पूरे भारत में रिकॉर्ड 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां बेचीं। जीवन बीमा कंपनी ने कहा कि 20 जनवरी, 2025 को एलआईसी के कुल 4,52,839 एजेंटों ने पूरे भारत में 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां सफलतापूर्वक पूरी कीं और जारी कीं। इस शानदार प्रयास ने 24 घंटे की अवधि के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एजेंट उत्पादकता के लिए एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है। जीवन बीमा पॉलिसियों की यह रिकॉर्ड बिक्री प्रत्येक एजेंट से मैड मिलियन डे यानी 20 जनवरी, 2025 को कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील का हिस्सा थी। कंपनी की यह उपलब्धि 24 घंटे की अवधि के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एजेंट उत्पादकता के लिए एक नया वैश्विक बेंचमार्क है। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि यह उपलब्धि अपने ग्राहकों और उनके परिवारों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के अपने मिशन के प्रति निगम की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सेंट्रम ने किया ब्रांड एंबेसडर अनुष्का शर्मा के साथ सेंट्रम रिचार्ज एनर्जी ड्रिंक मिक्स लांच

Centrum

रांची। मल्टीविटामिन सपोर्ट के लिए विश्वसनीय ब्रांड, सेंट्रम ने आज एनर्जी ड्रिंक मिक्स श्रेणी में सेंट्रम रिचार्ज लॉन्च करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया। यह एक इनोवेटिव प्रोडक्ट है, जो लोगों को अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए आवश्यक विटामिन और मिनरल्स प्रदान करता है, ताकि उनके शरीर में एनर्जी, इम्युनिटी और हाइड्रेशन बने रहें। लोग समझते हैं कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी होती है, पर उसके साथ-साथ हमारे शरीर में रोजमर्रा की गतिविधियों का कारण विटामिन और मिनरल्स भी कम हो जाते हैं, जिससे हमें थकान महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने के लिए कई उत्पाद उपलब्ध हैं, पर विटामिन और मिनरल्स की कमी को दूर करना भी उतना ही जरूरी होता है। यह कमी विटामिन बी, विटामिन सी, मैग्नीशियम और जिंक जैसे विटामिन और मिनरल्स से दूर होती है। इसलिए, सेंट्रम रिचार्ज में 13 आवश्यक विटामिन और मिनरल्स हैं, जैसे विटामिन बी, विटामिन सी, मैग्नीशियम और जिंक, जो शरीर में एनर्जी, इम्युनिटी और हाइड्रेशन बनाकर रखते हैं। सेंट्रम रिचार्ज में बाजार में मौजूदा मुख्य मल्टीविटामिन एनर्जी ड्रिंक बेवरेज एडिटिव्स एवं मिक्स की तुलना में 2 गुना अधिक विटामिन और मिनरल्स हैं तथा इसमें कोई भी एडेड शुगर नहीं है। इसलिए यह ग्राहकों के लिए पूरी तरह से पौष्टिक है।

गोयल ने यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक से की मुलाकात

- दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं की एक महीने के भीतर दूसरी मुलाकात थी, जिसमें भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की गई। गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी। यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट पर इस मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी है। यूरोपीय संघ के अधिकारी मारोस सेफकोविक ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट के माध्यम से कहा, अपने मित्र और समकक्ष पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम लगातार प्रगति कर रहे हैं। आइए, हम कड़ी मेहनत और स्पष्ट फोकस के साथ गति बनाए रखें। मैं जल्द ही हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मारोस सेफकोविक के पोस्ट के जवाब में एक्स पर लिखा है, मेरे मित्र, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। हम भारत और यूरोपीय संघ की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस गति को जारी रखें। अमेरिका के दौरे पर गए, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23 मई को वाशिंगटन से ब्रुसेल्स पहुंचे, जबकि भारत के मुख्य वार्ताकार एल. सत्य श्रीनिवास और उनकी टीम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता के लिए पहले से ही यूरोपीय संघ मुख्यालय में मौजूद हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के अनुसार ईयू-भारत व्यापार वार्ता गति पकड़ रही है, दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 के अंत तक एक समझौते को पूरा करना है।

पिता व पुत्र के बीच का भावनात्मक रिश्ता को दर्शाता है धारावाहिक पृथ्वीराज चौहान

एजेंसी

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन जल्द ही अपने बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक धारावाहिक चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान प्रस्तुत करने जा रहा है – यह एक आकर्षक यात्रा है जो एक युवा राजकुमार के उदय को दर्शाती है, जो आगे चलकर भारत के सबसे युवा और साहसी योद्धा सम्राटों में से एक बना और सबसे दुर्दांत आक्रमणकारियों का सामना किया। शाही विरासतों और शाश्वत मूल्यों की पृष्ठभूमि में रचा गया यह शो पृथ्वीराज चौहान के प्रारंभिक वर्षों को जीवंत करता है, जहां उनके चरित्र, साहस और नेतृत्व क्षमता की गहराई से पड़ताल की गई है। इस शो की आत्मा है पिता और पुत्र के बीच का भावनात्मक रिश्ता – जो इस महागाथा की मूल भावना को दर्शाता है। पृथ्वीराज चौहान के पिता राजा सोमेश्वर की भूमिका में नजर आएंगे अनुभवी अभिनेता रोनित रॉय, जो इस किरदार में एक शांत शक्ति और गहरी भावनात्मकता लेकर आ रहे हैं। राजा सोमेश्वर एक अत्यंत बुद्धिमान, गरिमामय और शक्तिशाली शासक हैं, लेकिन एक पिता के रूप में वह अपने पुत्र को लेकर संवेदनशील और गर्वित हैं। रोनित रॉय ने कहा, राजा सोमेश्वर की भूमिका निभाना असल जिंदगी में पिता होने से बहुत अलग नहीं था। वह सिर्फ एक राजा नहीं हैं – वह एक पिता हैं, जो अपने पुत्र के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं। खुद एक पिता होने के नाते मुझे उन भावनाओं की कल्पना करने की जरूरत नहीं पड़ी, मैं उन्हें महसूस कर सका।

एक सप्ताह में सोना 3,170 रुपए महंगा, चांदी में भी 2300 का उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 17 मई को सोने की कीमत 92,301 प्रति 10 ग्राम थी, जो 24 मई को बढ़कर 95,471 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई यानी एक सप्ताह में सोने की कीमत में 3,170 रुपए का इजाफा हो गया। वहीं चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 17 मई को चांदी की कीमत 94,606 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 96,909 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है यानी इस हफ्ते चांदी की कीमत में 2,303 रुपए का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 प्रति किलोग्राम का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 900,50 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपए है।

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराए : आरबीआई

- ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जानें अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉरस्पोंडेंट की मदद भी ली जा सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अनुरोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियों या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को निष्क्रिय श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करें। ग्राहकों को निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार में आ रही कमी

नई दिल्ली। कोलकाता से 80 किलोमीटर दूर, पेट्रापोल लैंड पोर्ट उचित व्यवसायिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है जो भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पार व्यापार के लिए प्रमुख सड़क परिवहन सेवा उपलब्ध कराता है। मगर हाल ही में दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव और माल ढुलाई में गिरावट के कारण व्यापारिक गतिविधियों में कमी आई है। पेट्रापोल भारत एवं बांग्लादेश के बीच व्यापार और यात्रियों की आवाजाही के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण भूमि बॉर्डर क्रॉसिंग है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि मार्ग से होने वाला करीब 70 फीसदी व्यापार (मूल्य के लिहाज से) इसी लैंड पोर्ट के जरिये होता है।

फोर्ड की नई कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर लांच करने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माण क्षेत्र की कंपनी फोर्ड यूरोप में एक नई कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। नई एसयूवी में स्पोर्टी और बोल्ड डिजाइन होगा, जो फोर्ड की लेटेस्ट डिजाइन भाषा का अनुसरण करेगा, जैसा कि टेरिटरी मॉडल में देखा गया था। इस कार में होरिजोंटल स्लैट्स, शार्प एलईडी डीआरएलएस और एक बड़ा ग्रिल प्रमुख रूप से देखने को मिलेगा। यह मस्कुलर प्रोफाइल और कर्वी बॉडी पैनलिंग के साथ आएगी। आकार में यह फोर्ड प्यूमा से थोड़ी छोटी होगी, जिसकी लंबाई लगभग 4,000एमएम से 4,100 एमएम के बीच हो सकती है। नई क्रॉसओवर मल्टी-एनर्जी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी, जो माइल्ड हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, फुल हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वर्जन को सपोर्ट करेगी। इसका मतलब यह है कि यह भविष्य की मांगों के अनुरूप एक आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल वाहन होगा। उत्पादन स्पेन के अल्मुसफेस प्लांट में होगा। फोर्ड का यह नया मॉडल यूरोपीय बाजार के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है, जहां कॉम्पैक्ट एसयूवी की डिमांड काफी अधिक है। यह लगभग 20,000 से 24,000 यूरो (करीब 19.18 लाख से 23 लाख रुपए) के बीच कीमत पर उपलब्ध होगा और डेसिया डस्टर, रेनो कैप्चर और वोक्सवैगन टी-क्रॉस जैसी कारों को टक्कर देगा। भारत में इकोस्पोर्ट 2013 में लॉन्च हुई थी और 4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में लोकप्रिय रही, लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कम बिक्री के कारण 2022 में इसे बंद कर दिया गया। फोर्ड ने भारत में अपने चेन्नई प्लांट की गतिविधियां भी 2022 में बंद कर दी थीं, लेकिन अब एक्सपोर्ट के लिए उत्पादन फिर से शुरू करने पर विचार चल रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक अब हुआ स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक

नई दिल्ली। भारत का एक अपना वैश्विक बैंकिंग कार्यक्रम शुरू करने वाले नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड कर लिया है। यह बदलाव भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची के अंतर्गत किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। इस नए नाम के साथ बैंक का इरादा अब पूरे देश में अपनी शाखाओं का विस्तार करना है। बैंक बाजार डॉट कॉम के सीईओ का कहना है कि ये तरह के बदलाव एक संगठित प्रक्रिया के तहत होते हैं, जो कई बार छह महीने से एक साल तक चल सकते हैं। इस दौरान ग्राहक अपने पुराने डॉक्यूमेंट्स का ही उपयोग कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट ने बताया कि सिर्फ बैंक का नाम बदल जाने से ग्राहकों को तुरंत नए बैंकिंग डॉक्यूमेंट्स लेने की कोई आवश्यकता नहीं होती। सभी पुराने दस्तावेज, जिन पर पुराने बैंक का नाम है, पूरी तरह वैध रहते हैं, जब तक कि बैंक कोई और सूचना न दे।

हीरो मोटोकॉर्प ने शुरू की अपनी जड़ें मजबूत करने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी जड़ें मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। हीरो मोटो कॉर्प के पोर्टफोलियो में वर्तमान में विडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल है, लेकिन इसकी सेल्स ओला, बजाज, टीवीएस और एथर जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले काफी कम है। बिक्री में इस कमी का एक बड़ा कारण ग्राहकों को सीमित विकल्प मिलना भी बताया जा रहा है। इसी को देखते हुए कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज को बढ़ाने का फैसला किया है। हीरो मोटोकॉर्प जुलाई 2025 तक दो नए विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने वाली है। कंपनी ने अपनी लेटेस्ट अर्निंग कॉल में इस बात की जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से एक नया मॉडल विडा ईजेड होगा, जो कंपनी का सबसे किफायती मॉडल होगा। यह मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर आधारित है और 2.2 केडब्ल्यूएच से लेकर 4.4 केडब्ल्यूएच तक की बैटरी कैपेसिटी के विकल्पों के साथ आएगा। विडा झेड में पीएमएसएम (स्थायी चुंबक सिंक्रोनस मोटर) का इस्तेमाल होगा और इसका डिजाइन मौजूदा विडा मॉडल जैसा होगा, लेकिन नए और कूल कलर विकल्पों के साथ। इसके अलावा, विडा वी2 के नए वैरिएंट भी कंपनी के प्लान में हो सकते हैं। हालांकि कीमत और लॉन्च डेट की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन हीरो एक आक्रामक रणनीति के साथ ईवी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का लक्ष्य रखती है, जहां फिलहाल यह पांचवें स्थान पर है। अप्रैल 2025 की बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, टीवीएस मोटर कंपनी ने 19,736 यूनिट, ओला इलेक्ट्रिक ने 19,709, बजाज ऑटो ने 19,001, एथर एनर्जी ने 13,167, और हीरो मोटोकॉर्प ने 6,123 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचे।

महिंद्रा ने एसयूवीएस बोलेरो और नियो को किया अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवीएस बोलेरो और बोलेरो नियो को महिंद्रा ने अपडेट कर दिया है। यह अपडेट मॉडल डीलर-लेवल एक्सेसरीज पैक के साथ बोल्ड एडिशन के रूप में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 20,500 रुपए से लेकर 40,000 रुपए तक जाती है। इस नई पेशकश में मुख्य रूप से कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बोलेरो के बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स के ऊपर डार्क क्रोम फिनिश, फ्रंट ग्रिल, डोर हैंडल और रियर फेंडर पर बैटिलेटर दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लैक-आउट फॉग लाइट सराउंड और फ्रंट बंपर पर भी नए एलिमेंट्स देखे जा सकते हैं। इंटीरियर में नई सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ बेज हाइलाइट्स दिए गए हैं। इस एडिशन में नए डोर सिल प्लेट और मैट भी शामिल हैं। बोलेरो बोल्ड एडिशन की कीमत 10.02 लाख रुपए से लेकर 11.14 लाख रुपए तक है, जबकि एक्सेसरीज पैक की कीमत 20,500 रुपए है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स, नोज और डोर हैंडल पर डार्क क्रोम एलिमेंट्स, ब्लैक-आउट रूफ रेल्स, फ्रंट फॉग लाइट सराउंड और व्हील आर्च जैसे बदलाव किए गए हैं। इसके केबिन में नई ब्लैक सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ नेक कुशन और नए मैट्स भी जोड़े गए हैं। सबसे खास फीचर इस मॉडल में रियर कैमरा का जुड़ना है। बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन की कीमत 11.90 लाख रुपए से 12.58 लाख रुपए तक है, और एक्सेसरी पैक की कीमत 40,000 रुपए है। महिंद्रा की इस चाल का उद्देश्य दो महीनों में आई बिक्री गिरावट को कम करना है। मार्च 2025 में बोलेरो ट्विन्स की बिक्री 22 फीसदी से ज्यादा घटकर 8,031 यूनिट्स रह गई, जबकि अप्रैल 2025 में भी बिक्री में करीब 12 फीसदी की गिरावट देखी गई।

एसयूवी सेल्टोस नए अवतार में होगी लांच

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस को किआ इंडिया एक नए अवतार में लॉन्च करने जा रही है। नई जेनरेशन की किआ सेल्टोस का हाल ही फ्रंट डिजाइन लीक हुआ है, जिसे देखकर एक्सपर्ट काफी प्रभावित हैं। कंपनी ने अपनी नई डिजाइन लैंग्वेज अपोजिटस यूनाइटेड को इस मॉडल में और भी बेहतर तरीके से अपनाया है। लीक तस्वीरों में नई सेल्टोस का टेस्ट मॉडल कैमोफ्लाज में नजर आया है, जिससे इसके कई नए डिजाइन एलिमेंट्स सामने आए हैं। नई एलईडी डीआरएल अब थंडरबोल्ट की तरह दिखती है, जो हेडलाइट के पास से बोनट और बंपर तक वर्टिकल पोजिशन में फैली हुई है।

खास खबर

रेलवे स्टेशन पर चाकू से हमले में 12 घायल

हैम्बर्ग। जर्मनी में हैम्बर्ग शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन पर चाकू से हमले में कई लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मामले में एक महिला को संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार हमलावर ने स्टेशन के प्लेटफार्म 13 और 14 पर मौजूद लोगों को निशाना बनाया। जर्मनी के दूसरे सबसे बड़े शहर हैम्बर्ग के मुख्य इलाके में स्थित यह स्टेशन स्थानीय, क्षेत्रीय और लंबी दूरी की रेलगाड़ियों का प्रमुख केंद्र है। जर्मनी की समाचार एजेंसी के अनुसार हैम्बर्ग की अग्निशमन सेवा ने बताया कि छह लोगों को जानलेवा चोटें आई हैं, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और तीन को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने हालांकि, सोशल मीडिया मंच पर जारी पोस्ट में कहा कि अब तक कोई सही आंकड़े नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि 39 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है और माना जा रहा है कि उसने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया है।

बाइक को वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

लखनऊ। जाको राखे साईयां, मार सके न कोय यह कहावत तब चरितार्थ हुई जब अपने घर से बाइक पर निकले पति-पत्नी और तीन वर्षीय मासूम बालिका को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसके चलते पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मासूम किसी तरह वाहन के निचले में फंसी और तीन किमी दूर घायलवस्था में मिली। घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं पति को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि छाछा निवासी शाका (32) पुत्र अमीरेलाल वाल्मिकी अपनी पत्नी शिवानी (25) और एक तीन साल की मासूम बालिका लक्ष्मी को लेकर करीब नौ बजे नोएडा जा रहा था। जैसे ही बाइक ने सड़क पार करने का प्रयास किया, तभी किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इसकारण पति-पत्नी दोनों घायल हो गए। दुर्घटना होते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों घायल पति-पत्नी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

नहीं रहे अभिनेता मुकुल देव

मुंबई। हिंदी और पंजाबी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता मुकुल देव अब हमारे बीच नहीं रहे। 54 वर्ष की उम्र में उन्होंने बीती रात अंतिम सांस ली। वे बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन की पुष्टि अभिनेता विंदू दारा सिंह ने एक बातचीत के दौरान की है, जिन्होंने उनके साथ फिल्म सन ऑफ सरदार में काम किया था। शानदार अभिनेता मुकुल देव के निधन की खबर से फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके साथियों और चाहने वालों के लिए यह खबर किसी गहरे आघात से कम नहीं है। परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार, मुकुल देव पिछले कुछ समय से खुद को सामाजिक जीवन से अलग-थलग कर चुके थे। माता-पिता के निधन के बाद वे गहरे अवसाद में थे और शायद ही किसी से मिलते थे। निधन की पुष्टि करते हुए विंदू दारा सिंह ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, मुकुल अब खुद को बड़े पर्दे पर नहीं देख पाएंगे।

भारत में फिर से फैल रहा कोरोना

- दिल्ली-महाराष्ट्र समेत कई राज्य हुए सतर्क
- अस्पतालों को तैयार रहने के निर्देश
- दिल्ली-एनसीआर में बढ़ी सतर्कता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोविड-19 संक्रमण ने दस्तक दी है। नया वेरिएंट जेएन.1 धीरे-धीरे अपना असर दिखा रहा है। महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों में कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारें अलर्ट मोड पर हैं। अस्पतालों को ऑक्सीजन, दवाएं, बेड और वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जानकारी अनुसार महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले बढ़ते दिखे हैं, इसमें भी मुंबई सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में है। शुक्रवार को महाराष्ट्र में कोविड-19 के 45 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 35 अकेले मुंबई से हैं। शेष मामले पुणे (4), कोल्हापुर (2), रायगढ़ (2), ठाणे (1) और लातूर (1) से हैं। जनवरी से अब तक 6,819 सैंपल की जांच की गई, जिनमें 210 पॉजिटिव केस मिले हैं, जिनमें 183 मामले मुंबई से हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राज्य में संक्रमण की रफ्तार धीमी है, लेकिन सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। राजधानी दिल्ली में 23 एक्टिव केस की पुष्टि हुई है। वहीं, गाजियाबाद में 4, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी नए मामले सामने आए हैं। चिंता की बात यह है कि गुरुग्राम में एक मरीज बिना किसी ट्रैवल हिस्ट्री के संक्रमित पाया गया। इसे कम्युनिटी ट्रांसमिशन की संभावना के रूप में देखा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त हरियाणा, गुजरात, केरल और कर्नाटक समेत अनेक राज्यों में कोविड-19 एक बार फिर पैर पसारने में लगा हुआ है। मुख्य राज्यों के अलावा हरियाणा से 5, गुजरात से 33, उत्तर प्रदेश से 4, कर्नाटक से 16, केरल से 95, तमिलनाडु से 66, पुडुचेरी से 10, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से 1-1 मरीज सामने आए हैं। दिल्ली सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य संस्थानों को स्पेशल एडवाइजरी जारी की है। सभी अस्पतालों को ऑक्सीजन सिलेंडर, आवश्यक दवाइयों और कोविड बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। पॉजिटिव मामलों के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजना अनिवार्य किया गया है। टेस्टिंग और निगरानी व्यवस्था को फिर से सक्रिय किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। संक्रामक रोग विशेषज्ञ कहते हैं कि हालांकि मरीजों की संख्या कम है, लेकिन जेएन.1 वेरिएंट की प्रकृति को देखते हुए स्वास्थ्य ढांचे को सतर्क रहना होगा। ऐसे में नागरिकों को सुझाव दिया जाता है कि वे भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनें, खांसी, बुखार या गले में खराश हो तो तुरंत जांच कराएं और सार्वजनिक स्थानों पर दूरी बनाए रखें। 60 वर्ष से ऊपर के लोगों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

बवाना की फैक्ट्री में लगी भीषण आग धमाकों से भरभराकर गिरी बिल्डिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। बवाना में डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर-2 में शनिवार तड़के एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इसके बाद एक के बाद एक धमाके होने लगे और थोड़ी ही देर में बिल्डिंग भरभराकर गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से इमारत के अंदर विस्फोट हुआ, जिसके कारण इमारत ढह गई। दमकल की 17 गाड़िया आग बुझाने में जुटी हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। फैक्ट्री में आग लगने के चलते अंदर से ऊंची-ऊंची लपटें उठती दिखीं और चारों और काले धुएं का गुबार छाने लगा। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर

काबू पाया। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही फायर की 17 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग लगने के दौरान इमारत के अंदर हुए कुछ धमाकों के कारण इमारत ढह गई। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने बताया, आज सुबह 4.48 बजे आग की सूचना मिलने के बाद सेक्टर-2 में 17 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक आज हो सकती है भारी बारिश

एजेंसी

पणजी (गोवा)। देश के वेस्टर्न कोस्ट पर स्थित राज्यों में कई जगहों पर मूसलाधार बारिश रिकॉर्ड की गई है। महाराष्ट्र से लेकर गुजरात तक में बेमौसम तेज बरसात हुई है। अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से एक और राज्य के लिए अलर्ट ही नहीं, बल्कि रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि गोवा में रविवार 25 मई 2025 तक मूसलाधार बारिश होने का पूवार्नुमान जताया है। मछुआरों को समंदर में न जाने की सलाह दी है। अरब सागर में लो प्रेशर का एरिया डेवलप होने की वजह से तेज हवाएं चल रही हैं। इस वजह से समंदर में तेज और ऊंची लहरें उठने लगी हैं। इसे देखते हुए मछुआरों सावधान और सतर्क रहने की सलाह दी है। गोवा सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें सतर्क मोड में हैं और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयार हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम की चेतावनियों का पालन करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। गोवा आमतौर पर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और झरनों के लिए जाना जाता है, लेकिन फिलहाल बारिश के प्रकोप से जूझ रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि पर्यटक और स्थानीय निवासी अत्यधिक सावधानी बरतें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें, ताकि जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारतीय मौसम विभाग ने गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी देते हुए रविवार तक के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही मूसलधार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है और राज्य सरकार ने लोगों से नदियों और झरनों की ओर न जाने की अपील की है। पिछले 24 घंटों में गोवा के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण गोवा के फोंडा में सबसे अधिक 162 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद धारबांदोडा तालुका में 124.2 मिमी और मडगांव में 123.4 मिमी वर्षा हुई। रेड अलर्ट के तहत मौसम विभाग ने शुक्रवार को चेतावनी जारी की थी, जो रविवार तक के लिए प्रभावी कर दिया गया है। इस दौरान राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

आरक्षण केन्द्र में जांच के दौरान दो दलाल गिरफ्तार

मुंबइ। सेंट्रल रेलवे ने मलकापुर में आरक्षण केन्द्र (पीआरएस) में जांच के दौरान दो दलालों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सतर्कता दल द्वारा की गई है। जांच के दौरान टीम ने मलकापुर से खरीदे गए 3960 रुपये मूल्य के एसी तत्काल टिकट बरामद किए। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान सरगना संजय चांडक और प्रसाद काले के रूप में हुई। संजय चांडक ने एक मुंबई स्थित दलाल के साथ अपने संबंधों का खुलासा किया, जिसे व्यापक दलाली नेटवर्क के पीछे मास्टरमाइंड माना जाता है। चांडक की पूछताछ में मालूम हुआ कि उसने अवैध रूप से बुक की गई 182 टिकटों की तस्वीरें भेजी थीं, जिनमें 1,61,535/- रुपये की कीमत के 23 टिकट और 8,48,298/- रुपये की कीमत के 159 पुराने टिकट शामिल थे। इस दलाली रैकेट में शामिल दो पकड़े गए व्यक्तियों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के निरीक्षक को सौंप दिया गया है।

न्यायालय की अवहेलना पर आईएएस को हुई एक महीने की सजा

एजेंसी

चेन्नई। करीब 4 दशक पुराने एक मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने आईएएस अंशुल मिश्रा को एक महीने की साधारण सजा सुनाते हुए जुमार्ना लगाया है। साथ ही कोर्ट ने उनके वेतन से याचिकाकताओं को 25,000 रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने सजा पर 30 दिन की राहत दी है ताकि अधिकारी अपील कर सकें। यह मामला वर्ष 1983 से जुड़ा है, जब तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड ने चेन्नई के एक इलाके में याचिकाकर्ता भाई-बहन आर. ललितांबाई और के.एस. विश्वनाथन की 17 सेंट (लगभग 7400 वर्ग फुट) जमीन अधिग्रहित की थी। जमीन पर बहुमंजिला आवास बनाए गए, लेकिन कई दशकों तक वह उपयोग में नहीं लाए गए। याचिकाकताओं ने जमीन के मालिकाना हक की वापसी की मांग करते हुए चेन्नई मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी को आवेदन दिया। हाईकोर्ट ने नवंबर 2023 में निर्देश दिया था कि वह याचिकाकताओं की मांग पर विचार करते हुए दो महीने के भीतर निर्णय ले। लेकिन विभाग की ओर से इस आदेश का कोई पालन नहीं हुआ। इसके चलते याचिकाकताओं ने अगस्त 2024 में अदालत में अवमानना याचिका दाखिल की।मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने कहा, यह एक दुखद स्थिति है कि गरीब और पीड़ित लोग अपनी वास्तविक शिकायतों के समाधान के लिए सरकारी विभागों के चक्कर काटते हैं।

बगीचे में अचानक घुसा 135 मीटर लंबा कंटेनर जहाज

एजेंसी

लंदन। नॉर्वे का एक व्यक्ति उस समय बाल-बाल बच गया जब अचानक एक कंटेनर जहाज दीवार तोड़ता हुआ उसके बगीचे में आ गया जबकि वह कुछ ही मीटर की दूरी पर अपने बेडरूम में सो रहा था। यह घटना ट्रॉनहेम शहर के पास बायनेसेट में उस समय घटी जब जोहान हेलबर्ग सो रहे थे। उनके बगीचे में अचानक 135 मीटर लंबा, साइप्रस के झंडे वाला मालवाहक जहाज एनसीएल साल्टेन घुस गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कंटेनर जहाज पर 16 लोग सवार थे और यह ट्रॉनहेम फजॉर्ड से होते हुए दक्षिण-पश्चिम में ओरकांगर की ओर जा रहा था, तभी यह रास्ता भटक गया। नार्वे पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हेलबर्ग के पड़ोसी जोस्टीन जोर्गेनसन ने कहा कि वह जहाज की आवाज से जग गए थे, क्योंकि यह पूरी गति से हेलबर्ग के घर और जमीन की ओर बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, मुझे यकीन था कि हेलबर्ग घर से बाहर था, हालांकि मैंने उसके घर की कॉल बेल कई बार बजाई जिसका जवाब नहीं मिला, फिर फोन पर उससे संपर्क हुआ। हेलबर्ग ने मजाकिया अंदाज में कहा, जहाज नया और बड़ा पड़ोसी था लेकिन जल्द ही चला जाएगा।

यूपी के हाथरस में कुत्तों का आतंक

हाथरस। गर्मी के मौसम में जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, वैसे-वैसे हाथरस जिले में आवारा कुत्तों का आतंक भी बढ़ता जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक कुत्तों के हमले आम हो गए हैं। हालात इतने भयावह हैं कि जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रतिदिन 400 से अधिक लोग एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। कुत्तों के आतंक का सबसे ज्यादा खतरा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को होता है। कुत्ते झुंड में घूम रहे हैं और बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अपना आसान शिकार बना रहे हैं। रात के समय शहर की सड़कों और गलियों में दोपहिया वाहन चालकों के लिए निकलना भी जोखिम भरा हो गया है।

मण्डलायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा, प्रगति के बारे में ली जानकारी

मिर्जापुर । मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डलीय अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, मण्डलीय कार्यक्रम/लेखा प्रबन्धक एवं अन्य मण्डलीय टीम के साथ मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्साधिकरी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यकम अधिकारी, आईसीडीएस तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहें। समीक्षा बैठक का आरम्भ विगत बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन पर चर्चा से की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से आच्छादित विभिन्न कार्यकमों जैसे वित्तीय प्रगति समीक्षा, एचएमआईएस कार्यकम की समीक्षा, कम्युनिटी प्रोसेस कार्यकम की समीक्षा, शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम की समीक्षा, क्वालिटी एश्योरेंश कार्यकम, राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यकम, के उपलब्धियों की समीक्षा के साथ ही यूनिसेफ, डब्लूएचओ एवं अन्य सहयोगी संस्था समर्थित कार्यकमों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा समस्त कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करते हुए, कम प्रगति वाले बिन्दुओं पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए 15 दिवस में सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि हीटवेब के दृष्टिगत समस्त चिकित्सा इकाईयों पर जीवन रक्षक औषधियों, उपकरणों आदि की उपलब्धता एवं कियाशीलता एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था कराना जाना सुनिश्चित करें।

परमाणु मुद्दे पर फिर करीब आए ईरान-अमेरिका

एजेंसी

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु मुद्दे को लेकर बातचीत एक बार फिर शुरू हुई है। इससे दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के आसार दिख रहे हैं। क्योंकि ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस मीटिंग से बड़ी उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि पेशेवर माहौल में बातचीत चल रही है। पूरी दुनिया की निगाहें इस बातचीत पर टिकी हुई हैं क्योंकि इसका असर सिर्फ तेहरान या वॉशिंगटन तक सीमित नहीं रहेगा, भारत समेत कई देशों की एनर्जी पॉलिसी, वेस्ट एशिया से व्यापारिक संबंध और जियोपोलिटिकल इक्वेशन इस पर निर्भर करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव बना हुआ है। 2015 में हुए जॉइंट कॉम्प्रिहेन्सिव प्लान ऑफ एक्शन से अमेरिका 2018 में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में बाहर हो गया था। उसके बाद से दोनों देशों में कई बार अप्रत्यक्ष बातचीत हुई, लेकिन परिणाम नहीं निकला। अब, रोम में हो रही यह बातचीत उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई है। भारत की ईरान से तेल खरीद पर अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते पहले ही असर पड़ा था। अब अगर यह बातचीत सफल होती है, तो भारत के लिए एक बार फिर ईरान से सस्ता कच्चा तेल खरीदने का रास्ता खुल सकता है। इसके अलावा, चाबहार बंदरगाह जैसे रणनीतिक प्रोजेक्ट्स को भी नई रफ्तार मिल सकती है, जो भारत के लिए मध्य एशिया तक पहुंच का एकमात्र भरोसेमंद जरिया है। ईरान ने कहा है कि यह बातचीत गंभीर लेकिन सकारात्मक माहौल में हो रही है, जिसका अर्थ है कि दोनों पक्ष अब टकराव नहीं, समाधान पर फोकस कर रहे हैं। हालांकि यह बातचीत प्रत्यक्ष नहीं है, यानि दोनों देश एक-दूसरे से सीधी बात नहीं कर रहे, बल्कि तीसरे पक्ष के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों को फर्जी पासपोर्ट के साथ देश से भागने में मदद करने वाले एक प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया है। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के पासपोर्ट मॉड्यूल को चलाने वाले राहुल सरकार को गिरफ्तार किया है। एनआईए अधिकारियों ने बताया कि राहुल सरकार को मामले की जांच के लिए पटियाला हाउस स्थित एजेंसी की विशेष अदालत ने एनआईए की हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने पाया कि आरोपी गिरोह के सदस्यों के लिए जाली पासपोर्ट की व्यवस्था करता था, इससे आरोपियों को अपराध करने के बाद देश से भागने में मदद मिलती थी।

आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन

मिर्जापुर । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के द्वारा आज विकास खण्ड-पहाड़ी में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इस आधार सेवा केन्द्र से विकास खण्ड के आम जनमानस के लिए आधार कार्ड बनाये जाने एवं संशोधन किये जाने से सम्बन्धित सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड परिसर में एक फलदार वृक्ष का रोपण किया। विकास खण्ड पहाड़ी के ग्राम पंचायत सिंधोरा में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मंण्डल की धर्मपत्नी श्रीमती स्नेह त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी द्वारा पंडित दिन दयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रथम पावर लूम केन्द्र का उद्घाटन किया गया तथा पावर लूम मशीन का अवलोकन भी उनके द्वारा किया गया तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से सीधे संवाद किया गया। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत सिंधोरा में पंचायत भवन परिसर पर बाउन्ड्री वाल एवं सुन्दरीकरण, 04 पावर लूम और लगाये जाने हेतु शेड निर्माण, उत्सव केन्द्र, गंगा घाट निर्मित कराये जाने के लिए निर्देश दिया गया। ग्राम पंचायत सिंधोरा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने के निर्देश भी दिये गयें। कार्यक्रम स्थल पर ग्राम पंचायत सिंधोरा के ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत- सचिव, खण्ड विकास अधिकारी पहाड़ी एवं अन्य समस्त विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

अमेरिका पर मंडरा रहा मेगा सुनामी का खतरा, हजार फीट उठेंगी समुद्री लहरें

- वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी, विनाशकारी घटनाओं के लिए तकनीकी तैयारी जरुरी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका पर सुनामी खतरा मंडरा रहा है। दावा किया जा रहा है कि एक हजार फीट की ऊंचाई जितनी सुनामी की लहरें उठेंगी। इस दौरान इतनी तबाही मचेगी कि आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कैस्केडिया सबडक्शन जोन में शक्तिशाली भूकंप आने के बाद ऐसा नजारा देखने को मिलेगा। एक अध्ययन में कहा गया कि अगले 50 सालों में 15 फीसदी संभावना है कि 8.0 तीव्रता का भूकंप इस क्षेत्र में आ सकता है और फिर अमेरिका के पश्चिमी तटीय शहर 6.5 फीट तक जमीन में धंस जाएंगे। सिएटल, पोर्टलैंड, अलास्का, हवाई के शहरों को भारी नुकसान होने की संभावना जताई गई है। मेगा सुनामी सामान्य सुनामी से ज्यादा खतरनाक होती है। सामान्य सुनामी की लहरें कुछ फीट ऊंची होती हैं, जबकि मेगा सुनामी की लहरें सैकड़ों फीट ऊंची होती हैं। ये बड़े समुद्री घटनाओं जैसे भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट से पैदा होती हैं। कैस्केडिया सबडक्शन जोन उत्तरी वैंकूवर द्वीप से कैलिफोर्निया के केप मेंडोसिनो तक 700 मील में फैला है। यह उत्तरी अमेरिका का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले 10,000 सालों में यहां 43 भूकंप दर्ज किए गए हैं, जिनमें से अंतिम 26 जनवरी 1700 को 9.0 तीव्रता का भूकंप आया था, इससे तट धंसा और सुनामी पैदा हुई। अध्ययन के प्रमुख के मुताबिक भूकंप के बाद तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का दायरा बढ़ेगा और ठीक होने में लंबा समय लगेगा। दक्षिणी वाशिंगटन, उत्तरी ओरेगन और उत्तरी कैलिफोर्निया को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। अलास्का और हवाई भी खतरे में हैं। मेगा सुनामी की लहरें कई मील अंतदेर्शीय तक जा सकती हैं, जिससे तटीय बाधाएं नष्ट हो सकती हैं और लोगों को भागने का समय भी नहीं मिलेगा। रिपोर्ट में ओरेगन आपातकालीन प्रबंधन विभाग का कहना है कि 9.0 तीव्रता का भूकंप और 100 फीट की सुनामी फिर से तट को प्रभावित कर सकती है।

भारत जैसे देश जहां 2004 की सुनामी ने 2 लाख से ज्यादा लोगों की जान ली थी, इस खतरे को समझ सकते हैं। यह अध्ययन वैश्विक स्तर पर तटीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन और तैयारी की जरुरत बताता है। मेगा सुनामी जैसी दुर्लभ लेकिन विनाशकारी घटनाओं के लिए तकनीकी और सामुदायिक तैयारी करना जरुरी है ताकि लाखों लोगों की जान बचाई जा सके।

भारत, अफगान के बाद अब ईरान से पाकिस्तान का सीमा विवाद, बढ़ेगा तनाव

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत और अफगानिस्तान से पाकिस्तान का तनाव पहले ही जारी है। इस बीच पाकिस्तान का एक और पड़ोसी उसके खिलाफ बड़ा कदम उठाने जा रहा है। सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए ईरान अब पाकिस्तान से लगी अपनी सीमा को दीवार के माध्यम से सील करने की योजना बना रहा है। ईरान ने पिछले साल केरमन और सिस्तान बलूचिस्तान में बड़े आतंकवादी हमलों के बाद दीवार के निर्माण पर चर्चा शुरू की थी। रिपोर्ट से पता चला है कि दीवार का उद्येश्य ईंधन की तस्करी, आतंकवादियों की अवैध क्रॉसिंग और ड्रग तस्करी को रोकना है। ईरान लंबे समय से पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद का आरोप लगाया है, जिसका असर उसके सिस्तान बलूचिस्तान प्रांत पर पड़ रहा है। तेहरान का मानना है कि बाड़ लगाने से पड़ोसी पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आतंकवादी समूहों के प्रवेश को रोकने में सफलता हासिल होगी। ईरानी सुरक्षा सेवाओं के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ लगती सीमा से ईरान में 80 फीसदी मादक पदार्थों की तस्करी होती है। अंतरराष्ट्रीय सीमा को बंद करने वाली यह दीवार चार मीटर ऊंची और लगभग 300 किलोमीटर लंबी होगी। यह पता चला है कि सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांतों के दक्षिणी हिस्से के साथ-साथ रजावी खोरासन में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

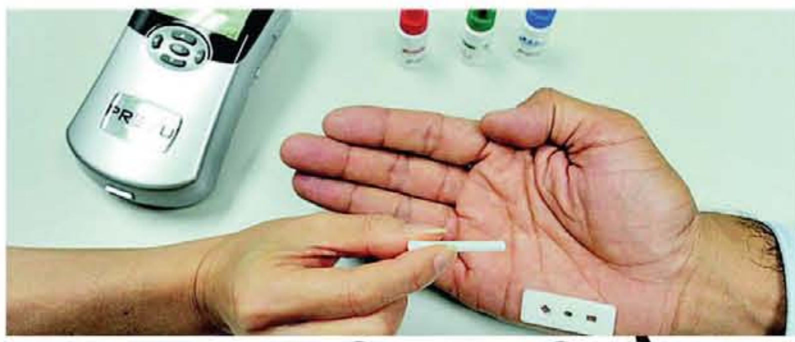

स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

स्टैमिना की स्पेशल डायट

मॉडर्न लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

विटामिन बी: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

गेहूं की घास: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

कोकोनट पछड़ी

सामग्री

- 3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
- 1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
- 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
- 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
- नमक स्वादअनुसार
- 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
- 1/4 टी-स्पून सरसों
- 7 से 8 कड़ी पत्ते

विधि

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

गौंद के लड्डू

सामग्री

- 3 टेबल-स्पून गौंद
- 4 1/2 टेबल-स्पून घी
- 1 1/4 कप गेहूं का आटा
- 1/2 कप पीसी हुई शक्कर
- 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
- घी, तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

मध्यम वर्ग के इंसान हैं शाहरुख

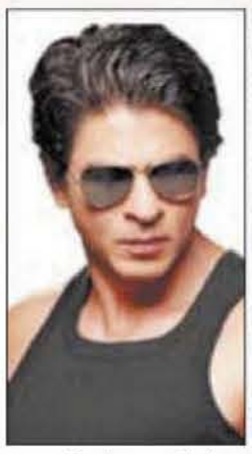

शाहरुख खान बॉलीवुड के सबसे बड़े अभिनेताओं में से एक हैं। रोमांस के बादशाह दशकों से इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। हर कोई उनकी दौलत के बारे में जानता है। हालांकि उनके करीबी लोगों को पता है कि वह दिल से मध्यम वर्गीय हैं। हाल ही में, रा वन के निर्देशक अनुभव सिन्हा ने बताया कि शाहरुख खान अपने परिवार को खुश देखकर खुश होते हैं। यह उनकी अब तक की सबसे मध्यम वर्गीय बात है।

मध्य वर्गीय हैं शाहरुख खान

शाहरुख खान भले ही दुनिया पर राज कर रहे हों लेकिन वह ऐसे व्यक्ति भी हैं जो अपने बच्चों के लिए खाना बनाना, उनके हाई-स्कूल ड्रामा सुनना और जब भी संभव हो अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना पसंद करते हैं। फेय डिसूजा के साथ बातचीत करते हुए निर्देशक अनुभव सिन्हा ने कहा कि शाहरुख दिल से एक मध्यम वर्गीय हैं।

परिवार को देखकर खुश होते हैं शाहरुख

अनुभव सिन्हा ने कहा कि उन्होंने शाहरुख को जब यह बताया कि वह मध्य वर्गीय हैं तो उन्होंने अजीबोगरीब हंसी के साथ इस पर सहमति जताई। अनुभव सिन्हा ने कहा कि खान के पास दुनिया का सारा पैसा है, लेकिन यह ऐसी चीज नहीं है जो उन्हें खुश करती है। अनुभव सिन्हा ने कहा क्या आपकी बहन की खुशी आपको खुश करती है? उन्होंने आगे कहा कि मध्यम वर्ग का यह सितारा अपनी बहन शहनाज और अपने बच्चों को मुस्कुराते हुए देखकर खुश होता है।

शाहरुख खान के बारे में जानना सौभाग्य की बात

निर्देशक के अनुसार जिस तरह से कुछ कुछ होता है का अभिनेता अपने परिवार की देखभाल करता है वह उसी तरह हैं। सिन्हा ने खान के बारे में में कहा, एक ऐसा व्यक्ति होना मुश्किल है जो सार्वभौमिक रूप से लोकप्रिय हो और जड़ और जमीन से जुड़ा हो। अपनी फिल्म रा वन के निर्माण के दौरान निर्देशक शाहरुख से कहते रहे कि फिल्म बनाने से ज्यादा उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानना एक सौभाग्य की बात है।

कला, प्रसिद्धि और आत्म-अभिव्यक्ति पर कावेरी कपूर की राय

कावेरी कपूर भले ही जेनरेशन ज़ी से हों, लेकिन वह एक आम जेन ज़ी कलाकार नहीं हैं। फिल्म निर्देशक शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा है, लेकिन उन्होंने अपने समकालीनों से एक अलग राह चुनी है, जो उनके साथियों की तुलना में काफी अलग है। फिल्मों में आने से पहले ही कावेरी एक स्थापित संगीतकार और कवित्री थीं। उनके चार म्यूज़िक वीडियो पहले से ही रिलीज़ हो चुके थे! अपने पिता की तरह गहराई से सोचने वाली कावेरी को अपने प्रतिभाशाली माता-पिता से भरपूर प्रेरणा मिलती है, और यही बात उन्हें एक ओल्ड सोल बनाती है, जैसा कि वह खुद कहती हैं। एक मशहूर उपनाम और डेब्यू के बाद बढ़ती फैन-फॉलोइंग के बावजूद कावेरी बेहद ज़मीन से जुड़ी हुई नज़र आती हैं।

उनकी बातचीत अक्सर उनके संगीत और कविताओं के ज़रिए खुद को अभिव्यक्त करने के तरीके पर केंद्रित होती है वह एक कलाकार की तरह बात करती हैं, न कि किसी सेलिब्रिटी की तरह। जब उनसे उनकी प्रसिद्धि के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि जब लोग मेरा संगीत सुनें या मेरी कविताएं पढ़ें, तो उन्हें कुछ सच्चा महसूस हो। मैं चाहती हूं कि वे उस किरदार से जुड़ सकें जिसे मैं निभा रही हूं। मैं चाहती हूं कि मेरे प्रोजेक्ट्स देखने वाले लोग मुझसे एक असली रिश्ता बना पाएं। यही वह प्रसिद्धि है जिसके लिए मैं जानी जाना चाहती हूं।

अपने साथियों से अलग, कावेरी का आत्म-अभिव्यक्ति का तरीका बेहद सादा है। अपनी एक अलग राह बनाना, अपनी प्रतिभा से, न कि हर रोज़ बदलते ट्रेंड्स की भीड़ का हिस्सा बनकर। कावेरी कहती हैं, मुझे लगता है कि खुद को नेचुरल बनाए रहना सबसे विद्रोही काम है जो आप अभी कर सकते हैं,

उन्होंने कई बार ओसीडी के साथ अपने संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। और चूंकि जेन ज़ी के लिए आज सबसे अहम बात है किसी से जुड़ाव और अपनापन महसूस करना, ऐसे में कावेरी की सलाह को परिपक्व कहा जा सकता है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ लोग शॉर्टकट लेकर जल्द से जल्द फल पाने की होड़ में लगे हैं, कावेरी कपूर की योजना है कुछ सच्चा बनाना — धीरे, स्थिरता से, लेकिन लंबे समय तक टिकने वाला।

सामंथा और राज लिव-इन में रहने का बना रहे प्लान? एक घर में होंगे शिफ्ट!

सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू अपने रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। डायरेक्टर-एक्ट्रेस की जोड़ी ने द फैमिली मैन सीजन 2 और सिटाडेल हनी बनी जैसी वेब सीरीज में साथ काम किया है। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि सामंथा और राज एक साथ रहने लगे हैं और वे एक घर की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, यह खबर झूठी निकली। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, सामंथा के मैनेजर ने इसे अफवाह बताया। इससे पहले एक सूत्र ने पिंकविला को बताया था, सामंथा रुथ प्रभु और राज एक साथ रहने पर विचार कर रहे हैं और प्रॉपर्टी की तलाश कर रहे हैं। उनका इरादा साथ रहने का है और वे इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज ने 2022 में श्यामाली से आधिकारिक रूप से तलाक ले लिया और सिटाडेल के लिए साथ में काम करने के बाद उन्हें सामंथा में प्यार मिल गया।

राज की नहीं है कोई बेटी!

सूत्र ने कहा, इस बीच राज को उनकी बेटी के साथ देखे जाने की खबरें झूठी हैं। उनकी कोई बेटी नहीं है और जिस बच्ची के साथ उन्हें देखा गया, वह उनके को-डायरेक्टर कृष्णा डीके की बेटी है।

सामंथा शेयर करती हैं राज संग फोटोज

सामंथा इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करती रही हैं, जिसमें वह राज के साथ समय बिताती नजर आती हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन फैंस कह रहे हैं कि एक्ट्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट से यह पुष्टि होती है कि वे डेटिंग कर रहे हैं।

सामंथा की तरफ से राज के साथ तस्वीरें पोस्ट करने के बाद फिल्म निर्माता की पत्नी श्यामाली डे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था। इसमें लिखा था, मैं उन सभी को आशीर्वाद और प्यार भेजती हूं, जो मेरे बारे में सोचते हैं, मुझे देखते हैं, मुझे सुनते हैं, मेरे बारे में सुनते हैं, मुझसे बात करते हैं, मेरे बारे में पढ़ते हैं, मेरे बारे में लिखते हैं और आज मुझसे मिलते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज और श्यामाली का तलाक 2022 में गया। हालांकि, वैलेंटाइन डे 2023 पर श्यामाली ने अपने पति के लिए एक रोमांटिक पोस्ट शेयर किया था।

पलक तिवारी ने कथित बॉयफ्रेंड इब्राहिम का किया सपोर्ट

अभिनेत्री पलक तिवारी अपने कथित बॉयफेंड इब्राहिम अली खान के समर्थन में सामने आई हैं। हाल ही में पाकिस्तानी आलोचक ने इब्राहिम की पहली फिल्म नादानियां का मजाक उड़ाया था। आलोचक ने उनके लुक, खास तौर पर उनकी नाक पर टिप्पणी की थी। आलोचक की आलोचना करते हुए पलक ने बॉडी शेमिंग पर बात की। उन्होंने बाताया कि कैसे सेलेब्स से नफरत करना बाजार में नया चलन बन गया है।

सेलिब्रिटी से नफरत एक चलन

पलक तिवारी ने नयनदीप रक्षित के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान कहा अगर कोई एक चीज है जो सेलिब्रिटी से ज्यादा बिकती है, तो वह है सेलिब्रिटी को कोसना। हम ऐसे समय में हैं जहां आम तौर पर स्टार्स के प्रति नफरत है।

पलक तिवारी ने पूछा सवाल

पलक ने आगे कहा आप सबसे पहले हमारी खूबसूरती पर ध्यान देते हैं। फिर जब कोई व्यक्ति अपने सौंदर्य के साथ कुछ करता है और उसे बदलवाता है, तो आप कहते हैं, आप ऐसा क्यों करेंगे? पहले आप किसी व्यक्ति को उसके रूप-रंग के लिए शर्मिंदा करते हैं। फिर जब वह अपनी असुरक्षा और अपने आस-पास की नफरत के कारण इसे ठीक करने की कोशिश करता है तो आप उसे क्यों कोसते हैं?

पलक ने कहा यह किसी व्यक्ति के लिए सबसे असंतोषजनक स्थिति हो सकती है। यह एक चक्र है। वे मूल रूप से केवल आपकी आलोचना करना चाहते हैं। यह आपकी नाक, आपके बाल, आपके शरीर का वजन, आपका प्रदर्शन कुछ भी हो सकता है। अगर इनमें से आपका कुछ भी खराब नहीं है तो आप बहुत भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

इब्राहिम की नाक का मजाक

आपको बता दें कि इब्राहिम अली खान की फिल्म नादानियां 7 मार्च को रिलीज हुई थी। पहली फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें बुरी तरह से ट्रोल किया गया था। तब तमूर इकबाल नाम के एक पाकिस्तानी फिल्म समीक्षक ने अपने सोशल मीडिया पर स्टार किड और उनकी बड़ी नाक का मजाक उड़ाया था।

लस्ट स्टोरी 3 में दिखाई देंगे राधिका और कोंकणा सेन

ल स्ट स्टोरी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की सबसे चर्चित और लोकप्रिय वेब सीरीज में से एक हैं। अब तक इसके 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला। लस्ट स्टोरी के तीसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है। खबर यह है कि लस्ट स्टोरी 3 के लिए राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा ने पहली बार हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... सीरीज के एक पार्ट में राधिका और कोंकणा नजर आएंगी। इस पार्ट का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी करने वाले हैं। सीरीज की कहानी तैयार हो चुकी है और इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। इसमें अभिषेक बनर्जी भी नजर आएंगे। बता दें कि राधिका पहले ही लस्ट स्टोरी के एक पार्ट में नजर आ चुकी हैं, वहीं लस्ट स्टोरी 2 के एक पार्ट का निर्देशन कोंकणा ने किया था। लस्ट स्टोरी को 15 जून 2018 को रिलीज किया गया था।

विकास की रचनात्मक दृष्टि के साथ जन-हितैषी नेतृत्वः योगेन्द्र गोडे

अमरावती. योगेन्द्र गोडे का जन्म 25 मई 1968 को वर्धा जिले के खरांगणा गोडे नामक प्रसिद्ध गोडे परिवार में हुआ, जो स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय था और महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित था. राजनीति, सामाजिक कार्य, देशभक्ति और स्वर्गीय पिता की पारिवारिक विरासत उनका बचपन डॉ. राजेंद्र गोड के अनुशासित वैज्ञानिक संस्कृति में बीता. उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नागपुर, माध्यमिक शिक्षा बुलढाणा और कॉलेज की शिक्षा औरंगाबाद (संभाजीनगर) में पूरी की. उनके पिता डॉ. राजेंद्र गोड साहब ने योगेंद्र की ईश्वर, देश और धर्म के लिए त्याग करने की तत्परता तथा गरीबों, कमजोरों और पीड़ितों की सेवा करने के वंशानुगत गुण को पहचाना. इसलिए उन्होंने योगेन्द्र को सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा शिक्षा के स्थान पर समाज सेवा को प्राथमिकता दी. जनसेवा के प्रति जुनून और अपने हर काम को ठीक से पूरा करने की असाधारण क्षमता रखने वाले योगेंद्र गोड ने महज 22 साल की उम्र में डोंगर खंडाला जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्र से अपना पहला चुनाव लड़ा और जीता. राजनीति में उनकी मजबूत शुरुआत ने उनके नेतृत्व को

डॉ. नीरज मुरके

प्रभारी वैद्यकीय अधीक्षक
डॉ. राजेंद्र गोडे मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल
मो.- 9637855851

उजागर किया. इसके बाद वे लगातार दो बार जिला परिषद के सदस्य चुने गए और मृदा संरक्षण, सड़क, जलागम विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए कार्यों के कारण उनका नेतृत्व राजनीतिक क्षितिज पर उभर कर सामने आया. संगठनात्मक निर्माण और व्यापक जनसंपर्क के कारण उन्हें 2014 विधान सभा के लिए मनोनीत किया गया. फिलहाल पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी है. समाज सेवा के प्रति अपने समर्पण के कारण इस दायित्व को सार्थक मानते हुए उन्होंने बुलढाणा निर्वाचन क्षेत्र के एक गांव में शाखा स्थापित की और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा का प्रसार किया. सरकार ने उन्हें डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद में सेवा करने का अवसर भी दिया. उन्होंने कृषि और किसानों के विकास के लिए काम किया. डेयरी उद्योग की स्थापना कृषि को डेयरी फार्मिंग के साथ जोड़ने के लिए की गई थी. सुप्रभात डेयरी ने मोटाला क्षेत्र में किसानों के आर्थिक उत्थान की नींव रखी है.

बुलढाणा जिला शैक्षणिक दृष्टि से बहुत पिछड़ा हुआ था और विशेष रूप से महिला शिक्षा की स्थिति बहुत खराब थी. महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने वाले पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए, इंदिरा बहुउद्देश्यीय शैक्षणिक संस्थान, बुलढाणा की स्थापना 1980 के दशक में की गई थी, और बुलढाणा में एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई का अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया था. मातोश्री उषाताई गोडे द्वारा 1990 के दशक में स्थापित किया गया था. अत्यंत परिश्रमी, दृढ़, जिद्दी, महत्वाकांक्षी और मेहनती योगेन्द्र गोड ने न केवल इस संगठन के मामलों का प्रबंधन किया, बल्कि संगठन के पौधे को वट वृक्ष में बदल दिया. इस वट वृक्ष परंपरा ने प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के साथ-साथ कई डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ-साथ बुलढाणा, मलकापुर और अमरावती शहरों में विभिन्न व्यावसायिक कॉलेज शिक्षा हॉल प्रदान करके हजारों युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए हैं. आज, उच्च शिक्षा के आधुनिक संस्थान चिकित्सा, कृषि, इंजीनियरिंग, नर्सिंग और फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में हजारों छात्रों को शिक्षित कर रहे हैं.

योगेन्द्र का मानना ??है कि विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए आवश्यक अक्षय ऊर्जा धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन में निहित है. वे हर गांव में बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों सभी को आध्यात्मिक धारा में लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को अच्छे स्वभाव वाले, नशा मुक्त बनाने और उनके व्यक्तित्व का विकास हो सके. उन्होंने गांव और ग्राम सभाओं के माध्यम से युवाओं को जोड़ा. उनका मानना है कि स्वस्थ, मजबूत और विकसित समाज के निर्माण के लिए युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, काम देकर उनमें पेशेवर रवैया पैदा करना महत्वपूर्ण है. हमने उन्हें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराया है तथा राष्ट्रीय कल्याण, सामाजिक कार्य और राजनीति के बारे में जानकारी विभिन्न मीडिया के माध्यम से सभी तक पहुंचाई है. विज्ञान आधारित अध्यात्म में रुचि पैदा करने के लिए, उन्होंने बुलढाणा और मोटाला तालुका के प्रत्येक गांव में भजन साहित्य जैसे ताल, मृदंगम और लाउडस्पीकर सेट वितरित किए हैं. इसके साथ ही वे उचित स्थानों पर कीर्तन, प्रवचन व सत्संग का आयोजन करते हैं तथा संत साहित्य के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा का उनका कार्य भी निरंतर चलता रहता है. हर साल श्रावण मास में राजूर शिव मंदिर में हजारों लोगों की मौजूदगी में शिव भक्ति का भंडारा महोत्सव मनाया जाता है. वे हर साल बुलढाणा शहर में मनाए जाने वाले सांस्कृतिक उत्सवों जैसे शिव जयंती, राम नवमी, योग दिवस और खेल महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से बार-बार देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और खेतों में दिन-रात काम करने वाले किसानों के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया है. उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के सभी पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया. सेना में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए सैनिकों की बहादुर माताओं और उनके परिवारों को साड़ी और चोली देकर सम्मानित किया गया. उन्होंने आत्महत्या करने वाले किसानों के बच्चों की शिक्षा फीस का भुगतान करके उदारतापूर्वक मदद की है. योगेंद्र गोड को बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र में एकमात्र ऐसे नेता के रूप में जाना जाता है जो इस तरह से सामाजिक पहल को लागू करके सैनिकों और किसानों का सम्मान करते हैं. उन्होंने जरूरतमंद मरीजों के लिए कई निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और उपचार शिविर आयोजित किए हैं.

पंचायती राज मंत्री व सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया शहीदों की स्मृति में शिलालेख का लोकार्पण

नोएडा (चेतना मंच)। 1857 की क्रांति एवं स्वतंत्रता के पश्चात हुए युद्धों में शहीद हुए वीरों की स्मृति में एक भव्य शिलालेख का लोकार्पण शनिवार को जिला पंचायत गौतम बुद्ध नगर के प्रांगण में उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर तथा गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस भावपूर्ण अवसर पर दादरी के विधायक तेजपाल सिंह नागर, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत सदस्य देव भाटी, श्रीमती मोहिनी सहित जिले के ग्राम प्रधान, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अपने संबोधन में कहा कि मई 1857 की भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महान क्रांति में तत्कालीन दादरी रियासत, जो आज का गौतमबुद्ध नगर जनपद है, ने अग्रणी भूमिका निभाई। यह वह समय था जब अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध गांव-गांव में विद्रोह की ज्वाला फैल गई थी। इस क्षेत्र के ग्रामीणों ने साहस के साथ अत्याचारों का विरोध किया और लगभग एक वर्ष तक अंग्रेजी राज के

प्रतीकों को समाप्त कर दिया।

इस जनयुद्ध में भाग लेने वाले प्रमुख क्रांतिकारियों में हिम्मत सिंह (रानौली), झंडू ज़मींदार, सहाब सिंह (नगला नैनसुख), हरदेव सिंह, रूपराम (बील), मजलिस ज़मींदार (लुहारली), फत्ता नम्बरदार (चिटहेरा), हरदयाल सिंह गहलौत, दीदार सिंह (नगला समाना), राम सहाय (खगुआ बास), हिम्मत ज़मींदार (पैमपुर), कदम गुर्जर (प्रेमपुर), कल्लू ज़मींदार (चीती), करीमबख्श खान (तिलबेगमपुर), जब्ता खान (मुडसे), बस्ती ज़मींदार (सावली), भोलू गुर्जर (मसौटा), बंसी ज़मींदार (नगला चमरू), देवी सिंह ज़मींदार (मेहसे), फूल सिंह गहलौत (पारसेह), अहमद गुर्जर (बढ़पुरा), सुरजीत सिंह (राजपुर), निर्मल सिंह (सरकपुर), बिशन सिंह (बिशनपुरा) सहित 84 वीरों को %रिंग लीडर% घोषित कर अंग्रेजी सरकार द्वारा बुलंदशहर (काला आम) पर फांसी की सज़ा दी गई थी।

इतना ही नहीं, अंग्रेज सरकार द्वारा सैकड़ों अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को काला पानी की कठोर सज़ा भी दी गई थी, जिससे उनकी पीड़ा और बलिदान इतिहास में दर्ज हो गया।

इस आयोजन में जिला पंचायत गौतम बुद्ध नगर की अपर मुख्य अधिकारी श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी, जिला पंचायत अभियंता भैया अमर सिंह, अवर अभियंता ऋतुनम, प्रशासनिक अधिकारी जयकुमार भाटी सहित पंचायत विभाग के समस्त अधिकारीगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शादी अनुदान योजना

90 दिन पहले या 90 दिन बाद कराना होगा रजिस्ट्रेशन

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को शादी अनुदान योजना के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोडकर) के गरीब अभिभावकों की पुत्री की शादी के लिए शासन द्वारा शादी अनुदान योजना संचालित है, जिसके तहत अभ्यार्थी की पुत्री के विवाह के लिए 20000/- रूपये की सहयोग धनराशि प्रदान करने की व्यवस्था है।

प्रभारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर युक्ति पांडे ने बताया कि शादी अनुदान प्राप्त करने के लिए शादी की तिथि से 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन बाद तक शासन द्वारा संचालित वेबसाइट http://shadianudan.upsdc.gov.in लिंक पर जाकर अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकतें है।

उन्होंने शादी अनुदान योजना के पात्रता के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि आवेदक अन्य पिछड़ा वर्ग (पिछड़े अल्पसंख्यक वर्ग को छोडकर) का होना चाहिए तथा पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक व वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिये एवं आवेदक की आय गरीबी की सीमा के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में 01 लाख रूपये वार्षिक से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए वृद्धावस्था, विकलांग एवं विधवा पेंशन के लाभार्थियों को आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नही हैं, ऐसे लाभार्थियों को अपना रजिस्ट्रेशन नम्बर आवेदन करते समय भरना होगा एवं आवेदक का बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में होना चाहिये। जिला सहकारी बैंक का खाता पी0एफ0एम0एस0 पोर्टल पर स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

अत: उक्त योजना में इच्छुक व्यक्ति पहचान पत्र, बैंक पास बुक, शादी का कार्ड, पुत्री का आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आवेदक के पासपोर्ट साइज फोटो के साथ अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकतें है। उक्त योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालय संख्या 111, विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क करके प्राप्त कर सकते है।

48 घंटे बाद भी बिजली आपूर्ति ठप

दादरी। बुधवार शाम आठ बजे आंधी तूफान ने यूपीपीसीएल की व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। 48 घंटे बीत जाने के बाद भी बिश्नूली बिजलीघर से जुड़े अधिकांश सोसायटियों व गांवों में विद्युत आपूर्ति ठप है। इससे भड़की महिलाओं ने शुक्रवार सुबह बिजलीघर का घेराव किया।

जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल किये जाने की मांग की। विभाग ने एक घंटे के बाद आपूर्ति शुरू होने का आश्वासन दिया। आरोप है कि आश्वासन का कोई असर नहीं हुआ। देर शाम तक महक रेजीडेंसी व बिश्नूली व उसके आसपास बनी सोसायटी व कालोनियों में विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हुई।

सोसायटी निवासी रिषी ने बताया कि 21 मई को आंधी तूफानसे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी है। 48 घंटे बीतने के बाद भी आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी है। लोगो को पीने के पानी, नहाने के पानी को लोग तरस गये है। छोटे बच्चे बुजुर्ग भीषण गर्मी से परेशान है। विद्युत आपूर्ति जल्द सुचारू करने के लिए कर्मचारियों से संपर्क किया जाता है तो एक घंटे दो घंटे का आश्वासन मिल रहा है । शुक्रवार को क्षेत्र की भड़की महिलाओं ने एकत्रित होकर बिश्नूली बिजलीघर पर प्रदर्शन किया। उन्हें भी पुलिस व विद्युत निगम कर्मचारियों ने एक घंटे का आश्वासन देकर टरका दिया है।

विधायक ने किया RWA सेक्टर-82 की नव-निर्वाचित टीम का सम्मान

नोएडा। विधायक पंकज सिंह ने RWA सेक्टर-82 के नव-निर्वाचित अध्यक्ष मयंक चौहान एवं महासचिव रंजन कुमार तथा उनकी टीम का हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया। अपने संबोधन में विधायक पंकज सिंह ने मयंक चौहान को अपना छोटा भाई बताते हुए कहा कि यदि कोई कार्य हो तो वे सीधे उनके पास आएं कार्य को तुरंत कराया जाएगा।

उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि नोएडा अथॉरिटी एवं अन्य सरकारी विभागों से संबंधित कोई भी कार्य प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराया जाएगा।

RWA टीम में महासचिव रंजन कुमार, कोषाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी, उपाध्यक्ष रणजीत कुमार मिश्रा, सचिव राकेश सिंह, एवं अन्य सदस्य — उमा रानी, प्रेमवती, एम.पी. विश्वकर्मा, राघवेंद्र पाठक, शिव सिंह पुंडीर, हरिकृष्ण, रामनरेश यादव, मुनेश कुमार उपस्थित रहे। टीम के साथ-साथ बीरेंद्र नाथ पांडे और महेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

सैनिक बंधु समिति की 29 को बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। प्रभारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कैप्टन राम प्रवेश सिंह ने भूतपूर्व सैनिकों को जानकारी दी है कि जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कि अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए 29 मई 2025 को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में आयोजित होने वाली जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। बैठक की अग्रिम तारीख व समय पृथक से जारी की जाएगी।

संगठन मजबूत होगा तभी जीतेंगे चुनाव : सुभाष गांधी

संगठन द्वारा अभियान को लेकर कांग्रेस कमेटी की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। संगठन सृजन अभियान के तहत महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा की बैठक सैक्टर-121 में हुई।

बैठक में यूपी कांग्रेस कमेटी के तरफ से संगठन सृजन अभियान के नोएडा प्रभारी बुलंदशहर के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गांधी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए सुभाष गांधी ने बताया कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होगा तब तक आप चुनाव नहीं जीत सकते। संगठन को एक परिवार की तरह चलाना और पालना होगा। परिवार में कुछ खटपट भी हो जाए तो मुखिया की जिम्मेदारी होती है कि उसको सुलझाए। हर कार्यकर्ता को जी जान से सबसे पहले अपना घर मजबूत करना होगा। संगठन को मजबूती तभी मिलेगी जब हम एक साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने अध्यक्ष से कमेटी के नाम जल्द से जल्द देने की बात कही।

प्रदेश सचिव पुरूषोतम नागर ने बैठक में बताया कि कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने के लिए हर बूथ तक पहुंच बनानी होगी और बूथ अध्यक्ष बनाकर एक एक टीम हर सैक्टर और गांवों की बनानी होगी। अध्यक्ष मुकेश यादव ने बैठक में बताया कि महानगर कांग्रेस की नई कमेटी के नाम प्रभारी को 25 मई तक नाम दे दिए जाएंगे। संगठन में उन्हीं लोगों को जगह दी जाएगी जो पार्टी को अपना समय दे पाएं और संघर्ष के लिए उपलब्ध रहें।

बैठक में दिनेश अवाना, शहाबुद्दीन, पवन शर्मा, लियाकत चौधरी, सतेंद्र शर्मा, फेर सिंह नागर, जावेद खान, यतेंद्र शर्मा, ललित अवाना, संजय तनेजा, विक्रम चौधरी,दयाशंकर पांडेय, रामकुमार शर्मा, संदीप सिसोदिया, डॉ सीमा, सुमन रॉय, मधुराज, उदय सिंह यादव, मजहर, चांद मोहम्मद एवं गौरव अधाना सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

‘ओ’ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए अब 14 जुलाई तक आवेदन

नोएडा (चेतना मंच)। पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिये ‘ओ’ लेवल एवं सी0सी0सी0 (CCC) कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पिछड़ा वर्ग के युवक/युवतियों के लिए एक और मौका है।

प्रभारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी युक्ति पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा वर्ष 2025-26 में योजनान्तर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौधोगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के युवक/युवतियों को ‘ओ’ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण कराने के लिए ऑनलाईन आवेदन किये जाने की तिथि 14 जून 2025 से बढाकर 14 जुलाई 2025 तक निर्धारित कर दी गयी है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उ0प्र0 की बेबसाईट backwardwelfareup. gov.in पर दिये गये लिंक एवं obccomputertraining.upsdc.gov.in से निर्धारित प्रारूप पर संस्था द्वारा ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन किये जाने सम्बंधित दिशा-निर्देश/समय-सारणी उक्त बेबसाईट पर प्रदर्शित कर दी गयी है।

प्रभारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने समय सारणी के संबंध में बताया कि नीलिट से ‘औ’ लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं ‘सी0सी0सी0’ कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए मान्यता प्राप्त संस्थाओं (आवेदन की अंतिम तिथि तक संस्था की मान्यता वैलिड हो) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये विभागीय वेबसाइट backwardwelfareup.gov.in पर दिये गये लिंक एवं obecomputertraining.upsdc.gov.in पर दिये गये लिंक पर ऑनलाईन आवेदन किया जाना एवं मान्यता से सम्बंधित ढांचे तथा दिये गये प्रारूप पर नोटरी शपथ-पत्र का विवरण अपलोड करने के साथ 2025 तक हार्ड कॉपी आगामी 2 जून 2025 तक सम्बंधित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, कार्यालय में उपलब्ध कराया जाना।

उन्होंने बताया कि अभ्यार्थी द्वारा ओ-लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन एवं शैक्षिक व अन्य अभिलेखों को अपलोड किया जाना तथा आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि 14 जुलाई 2025 तक जिला पिछड़ा वर्ग 2025 तक कल्याण अधिकारी कार्यालय में हार्ड कापी जमा किया जाना है।

वर्ष 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे बेरोजगार युवक/युवतियों के लिये संचालित ‘ओ’ लेवल एवं सी0सी0सी0 (CCC) कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित है। मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के युवक/युवतियों को‘ ओ’ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण कराने के लिए ऑनलाईन किये जाने की तिथि 14 जून 2025 से बढाकर 14 जुलाई 2025 तक निर्धारित कर दी गयी है। इच्छुक अभ्यार्थी अधिक जानकारी हेतु कार्यालय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, क0नं0 111, विकास भवन, गौतमबुद्धनगर में किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।